Email : railsamacharbureau@rediffmail.com, www.railsamacharbureauald.com

रेल समाचार ब्यूरो

भारतीय रेल देश की जीवन रेखा है, इसका आधुनिकीकरण हमारी प्राथमिकता है

R.N.I.No. 51097/90 DN/XXX/2021-2023 Post AD No. 8

सम्पूर्ण रेल जगत का प्रथम पाक्षिक

हमें रेलवे की तस्वीर और बेहतर बनानी होगी

अपने शुभचिंतको को घर पर ही विदा करे, प्लेटफार्म पर नहीं

वर्ष-३३ अंक-१७-१८ प्रयागराज रेल समाचार ब्यूरो ०१ - ३० सितम्बर २०२३ (संयुक्तांक) पृष्ठ १२ मूल्य:२० रु.मात्र + डाक खर्च (रंगीन सहित)

चंद्रयान-३ की सफलता १४० करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं और सामर्थ्य का प्रतिबिंब है : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने २६ अगस्त, २०२३ को बेंगलुरु में चंद्रयान-३ की सफलता पर टीम इसरो को संबोधित किया।

पसूका/नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बेंगलुरु में इसरो टेलीमेट्री ट्रैकिंग एंड कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी) का दौरा किया और चंद्रयान-३ की सफलता पर टीम इसरो को संबोधित किया। दिनांकः २६.०८.२०२३ को प्रधानमंत्री ने चंद्रयान-३ मिशन में शामिल इसरो के वैज्ञानिकों से मुलाकात की और उनसे बातचीत की, जहां उन्हें चंद्रयान-३ मिशन के परिणामों और प्रगति के बारे में भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि लैंडिंग का वह क्षण राष्ट्र की चेतना में अमर हो गया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा, लैंडिंग का क्षण इस सदी के सबसे प्रेरणादायक क्षणों में से एक है। हर भारतीय ने इसे अपनी जीत के रूप में लिया। प्रधानमंत्री ने इस बड़ी सफलता का श्रेय वैज्ञानिकों को दिया। प्रधानमंत्री ने घोषणा की, चंद्रयान-३ का मून लैंडर जिस स्थान पर उतरा था, उसे अब शिव शक्ति के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने कहा, शिव में मानवता के कल्याण का संकल्प समाहित है और शक्ति से हमें उन संकल्पों को पूरा करने का सामर्थ्य मिलता है। चंद्रमा का यह "शिव शक्ति" प्वाइंट हिमालय के कन्याकुमारी से जुड़े होने का बोध कराता है। विज्ञान की खोज के कल्याणकारी मूल पर जोर देते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि इन पवित्र संकल्पों को शक्ति के आशीर्वाद की आवश्यकता है और शक्ति हमारी नारी शक्ति है। चंद्रयान-३ चंद्र मिशन की सफलता में हमारी महिला वैज्ञानिकों ने, देश की नारी शक्ति ने बड़ी भूमिका निभाई है। चंद्रमा का 'शिवशक्ति' प्वाइंट, सदियों तक भारत के इस वैज्ञानिक और दार्शनिक चिंतन का साक्षी बनेगा। इस बात पर जोर देते हुए कि भारत चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक उतरने वाला चौथा देश बन गया है, प्रधानमंत्री ने कहा कि जब हम भारत की अंतरिक्ष कार्यक्रम की यात्रा की शुरुआत पर विचार करते हैं तो यह उपलब्धि और बड़ी हो जाती है। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि भावी पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शन एक आवश्यकता है और वे ही महत्वपूर्ण मिशनों को आगे बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नवाचार की हमारी यही भावना २०४७ में विकसित भारत के सपने को साकार करेगी।

रेलमंत्री ने किया ग्वालियर स्टेशन के पुनर्विकास कार्य का निरीक्षण

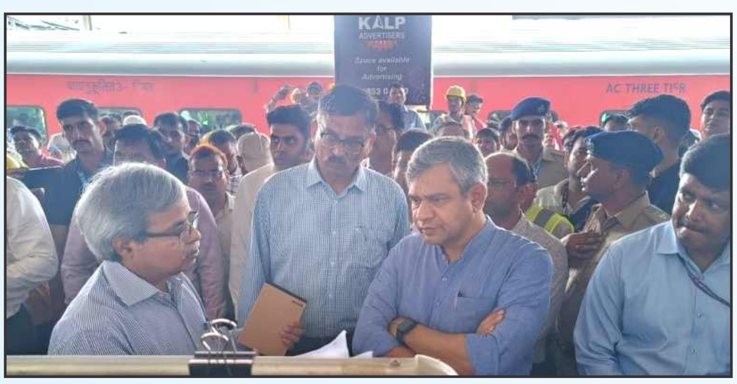

रे.स.ब्यू./संवा रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ग्वालियर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और वहां चल रहे पुनर्विकास कार्य को देखा। दिनांक २१.०८.२३ को रेलमंत्री ने स्टेशन पुनर्विकास के कार्य के सभी पहलुओं का गंभीरतापूर्वक अवलोकन किया और बारीकी से पड़ताल की। अश्विनी वैष्णव जी ने नव स्थापित होने जा रहे हैं पुनर्विकसित ग्वालियर रेलवे स्टेशन का म डल , ले-आउट प्लान देखा तथा पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से भावी स्वरूप की समीक्षा की। उन्होंने सभी कार्यों की गुणवत्ता का ध्यान रखने में और कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने की बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि चूंकि इस पुनर्विकास कार्य के दौरान रेल परिचालन निर्बाध रहेगा और यात्रियों का मूवमेंट भी निरंतर बना रहेगा अतरू उनकी सुरक्षा के दृष्टिगत संरक्षा मानदंडों का पालन सुनिश्चित किया जाए। इसी क्रम में उन्होंने अधिकारियों से इस कार्य को अपने घर के कार्य की तरह करने की बात कही। अश्विनी वैष्णव ने इस पुनर्विकास परियोजना की कार्यदाई संस्था के अधिकारी और कंसल्टेंट कंपनी के अधिकारियों से भी वार्ता की और संरक्षा तथा गुणवत्ता का ध्यान देने की बात कही। इस दौरान महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे सतीश कुमार ने स्टेशन विकास कार्य के पावर प्वाइंट का प्रस्तुतिकरण किया और साथ ही निर्माण विभाग के अधिकारियों ने परियोजना की प्रगति से मंत्री महोदय को अवगत कराया।इस अवसर पर मीडिया के संवाददाताओं से वार्ता करते हुए रेलमंत्री ने इस पुनर्विकास कार्य की प्रगति पर संतुष्टि व्यक्त की और बताया कि काफी बड़ा क नकोर्स बन रहा है जो कि नगर वासियों के लिए एक बड़ी सौगात होगी। रेलमंत्री ने शीघ्र ही वंदे भारत के स्लीपर वर्जन के ल न्चिंग की बात कही जिससे लंबी दूरी के यात्रियों को वंदे भारत के आरामदायक सफर की सुविधा प्राप्त हो सके ।अपने ग्वालियर दौरे के अवसर पर ग्वालियर के भारत संचार निगम लिमिटेड के महाप्रबंधक कार्यालय का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने उपभोक्ता सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए मिशन मोड में कार्य करने की आवश्यकता जताई। इसी क्रम में वर्तमान नेटवर्क को एक माह के अंदर अ प्टिकल फाइबर में परिवर्तित करने के निर्देश दिए।इसी क्रम में रेलमंत्री ने युवा अधिकारियों से वार्ता की और भोजन परोसने वाले महावीर जैन को अन्नदाता कहकर हौसलाफजाई की तथा उनके साथ यादगार फोटो ली। मंत्री महोदय ने स्टेशन मास्टर थॉमस जॉर्ज और अन्य स्टाफ को यात्रियों की सेवा में अच्छे काम करते रहने के लिए प्रेरित किया।

क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के वरिष्ठ सदस्य एवं प्रधान सम्पादक रेल समाचार ब्यूरो ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव रेलवे बोर्ड में नवनियुक्त CEO और अध्यक्ष रेलवे बोर्ड श्रीमती जया वर्मा सिन्हा को रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका का अवलोक कराते हुए।

गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति बनीं प्रो. पूनम टंडन

रे.स.ब्यू./सूत्रः लखनऊ विश्वविद्यालय की भौतिक विज्ञान विभाग की अध्यक्ष और अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति बनाई गई हैं।

कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने उन्हें कार्यभार ग्रहण करने से तीन वर्ष तक के लिए कुलपति पद की जिम्मेदारी सौंपी हैं। वह वर्तमान कुलपति प्रो. राजेश सिंह से कार्यभार ग्रहण करेंगी। प्रो. राजेश का कार्यकाल चार सितंबर को समाप्त हो रहा है।

प्रो. टंडन गोरखपुर विश्वविद्यालय की दूसरी महिला कुलपति होंगी। इससे पहले प्रो. प्रतिमा अस्थाना यहां के कुलपति की जिम्मेदारी संभाल चुकी हैं।

प्रो. पूनम ने अपनी उच्च शिक्षा लखनऊ विश्वविद्यालय में पूरी की और वहीं से उनका शिक्षक के तौर पर करियर आगे बढ़ा।

लखनऊ विश्वविद्यालय की बीएससी व एमएससी के टापरों की सूची में शामिल रहीं प्रो. पूनम १६६२ में पीएचडी पूरा करने से पहले ही १६६१ में बतौर लेक्चरर अपने विश्वविद्यालय में नियुक्त हो गई। वर्ष २००६ में प्रोफेसर के पद तक पहुंच गई। इनकी ३२ पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जिनमें छह अंतरराष्ट्रीय तो २६ राष्ट्रीय स्तर की हैं।

१६२ शोधपत्र इंटरनेशनल जर्नल और नौ शोधपत्र नेशनल जर्नल में प्रकाशित हो चुके हैं। राजभवन की ओर से उन्हें प्रदेश भर के विश्वविद्यालयों एवं महा विद्यालयों में एनआईआर एफ सहित शीर्ष रैंकिंग के लिए तैयार करने के संबंध में उपक्रम की महानिदेशक भी बनाया गया। इंडो जर्मन, इंडो फ्रंच, इंडो रशियन, जर्मनी सहित कई अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट पर भी वह काम कर चुकी हैं।

सभी जेड.आर.यू.सी.सी./डी.आर.यू.सी.सी.सदस्य

उक्त पत्रिका आपको नियमित रूप से भेजी जा रही है। कृपया अपने परिक्षेत्र में हुए रेल सुधारों /सुझावों के बारे में अपना लेख प्रकाशन हेतु हमें भेजने की कृपा करें।

प्रधान सम्पादक- ज्ञानेंद्र कुमार श्रीवास्तव
मो. 9793956044, 9935224867

रेल संरक्षा आयुक्त ने किया रायरू – सुमावली रेलखंड का निरीक्षण

रे.स.ब्यू./सूत्रःझांसी। रेल संरक्षा आयुक्त पूर्वोत्तर परिक्षेत्र मनोज अरोरा द्वारा मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा के साथ ग्वालियर-श्योपुरकला रेलखंड के गेज परिवर्तन के दृष्टिगत रायरू-सुमावली लगभग २१.८७ किमी रेलखंड के गेज परिवर्तन कार्य का सघन निरीक्षण किया गया। दिनांकः २८.०८.२३ को निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी गेट, मेजर ब्रिज, माइनर ब्रिज, ट्रैक तथा स्टेशन का सघन निरीक्षण किया। रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा रायरू- सुमावली के मध्य मोटर ट्राली के माध्यम से सभी जॉइंट, वायरिंग, पॉइंट, ट्रेक, गेज, औसिलेशन आदि का निरीक्षण किया गया तथा सुमावली से रायरू के मध्य नव स्थापित रेल लाइन पर स्पीड ट्रायल किया गया। निरीक्षण के दौरान उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) मंजुल माथुर, सी एस ई प्रशांत कुमार वर्मा, सी ई डी ई एस सी तिवारी, सी ई/ टी एम सी गौरव वर्मा, झाँसी मंडल के वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) आशुतोष चौरसिया, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशिकांत त्रिपाठी, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक (समन्वय) अखिल शुक्ल, वरिष्ठ मंडल बिजली इंजिनीयर (कर्षण) मयंक शांडिल्य, वरिष्ठ मंडल अभियंता (नार्थ) सुधीर कुमार, संरक्षा अधिकारी अतुल यादव, उप मुख्य इंजिनीयर (निर्माण) आकाश यादव सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

उत्तर मध्य रेलवे में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में खिलाड़ियों का किया गया सम्मान

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय, मंडलों एवं अन्य इकाईयों मे विभिन्न कार्यक्रमों, खेल प्रतियोगिताओं एवं खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के सम्मान समारोहों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में पिछले एक वर्ष के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले उत्तर मध्य रेलवे के खिलाड़ियों और कोचों को उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया।इस अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे सतीश कुमार के हाथो से सम्मानित होने वालों में उत्तर मध्य रेलवे के अंतर्राष्ट्रीय जिम्नास्ट आदित्य सिंह राणा, क्रिकेटर कु. शिबा कोठारी, मकबूल अहमद हॉकी टीम प्रबंधक, कु. कोमल कोहर भारोत्तोलन खिलाड़ी, एथलीट कु. कविता यादव, भारोत्तोलन कोच जितेन्द्र नाथ सिंह, ग्रीको रोमन पहलवान रवि राठी, शक्तित्तोलन खिलाड़ी अमनप्रीत सिंह, क्रिकेट कोच कु. हेम लता काला, टेबल टेनिस खिलाड़ी वरुण सिंह एवं स्वर्ण सिंह ठाकुर, हॉकी खिलाड़ी अर्जुन शर्मा एवं अमित यादव एवं क्रिकेटर कार्तिकेय कुशवाहा शामिल रहे।

ज्ञात हो महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित हो रहे इस समारोह में कार्यक्रम का प्रारंभ में उनकी फोटो पर महाप्रबंधक एवं अन्य अधिकारियों तथा खिलाड़ियों द्वारा माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम में आगमन पर महाप्रबंधक का स्वागत पौधा भेंट कर अध्यक्ष उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ एवं प्रधान मुख्य बिजली इंजीनियर ए के अग्रवाल ने किया।

इस अवसर पर अपने स्वागत संबोधन में अध्यक्ष उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ एवं प्रधान मुख्य बिजली इंजीनियर ए के अग्रवाल ने उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ की उपलब्धियों और गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया।

इसी क्रम में इस अवसर पर अपने संबोधन में महाप्रबंधक ने कहा कि ह की खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद सिंह का जीवन से जुड़े अनुभव स्वाभाविक रूप से हम सबके लिए प्रेरणास्रोत हैं। सभी उपस्थित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि, हमारे खिलाड़ी भी हम सबके लिए उत्साह और प्रेरणा का सबब बनते रहते हैं।

उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन के तत्वावधान में महिलाओं के लिए पोषण शिविर आयोजित

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज केन्द्रीय चिकित्सालय, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मे दिनांक २५/०८/२०२३ को डॉ रूबी रानी सिंह, अध्यक्षा, महिला कल्याण संगठन/मुख्यालय/ उ.म.रे.प्रयागराज के सानिध्य में संगठन की महिलाओं के लिए पोषण शिविर (Nutrition Camp) का आयोजन किया गया। शिविर में सभी महिलाओं का शरीर रचना विश्लेषण (Body Composition Analysis) किया गया, जिसके माध्यम से शरीर में मौजूद वसा प्रतिशत (Fat Percentage), उपापचय दर (Metabolic Rate), जल प्रतिशत (Water Percentage), मांसपेशी (Muscle) एवं हड्डी का द्रव्यमान (Bone Mass) इत्यादि का परीक्षण किया गया। इसके उपरान्त वरिष्ठ आहार विशेषज्ञ (Senior Dietician) अर्पणा सक्सेना, केन्द्रीय चिकित्सालय, प्रयागराज द्वारा रिपोर्ट का विश्लेषण किया गया तथा पोषण संबंधी उचित परामर्श दिया गया। उक्त शिविर में ज्योत्स्ना गुप्ता, मीना माथुर, नुपुर अग्रवाल (सचिव), अनुराधा केशरवानी, मिथिलेश सामी एवं केन्द्रीय चिकित्सालय की ओर से डॉ. मंजू लता हाण्डू, अपर मुख्य स्वास्थ्य निदेशक आदि मौजूद रहीं। कार्यक्रम का संचालन ऋचा वर्मा द्वारा सफलतापूर्वक किया गया।

चुनार-चोपन दोहरीकरण कार्य को मिली स्वीकृति

साभारः विगत कुछ वर्षो में भारतीय रेल में व्यापक परिवर्तन देखने को मिला है। जिसका मुख्य कारण रेल को मिलने वाले बजट आवंटन में अभूतपूर्व वृद्धि है। इसी क्रम में उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के चुनार-चोपन खंड के दोहरीकरण कार्य को आज स्वीकृति प्राप्त हो गई है। इस कार्य की स्वीकृति लागत रुपए १४२३.६६ करोड़ होगी। ज्ञात हो कि, स्वतंत्रता उपरांत यातायात की आवश्यकता बढ़ने पर नई लाइनें और दोहरीकरण का कार्य शुरू किया गया था। व्यस्त मुगलसराय (वर्तमान दीन दयाल उपाध्याय) यार्ड के अत्यधिक व्यस्त होने के कारण, उत्तर रेलवे ने करनपुरा कोयला क्षेत्रों के लिए वैकल्पिक मार्ग के रूप में चुनार-चोपन खंड का निर्माण शुरू किया। मुख्य लाइन पर चुनार से रॉबर्ट्सगंज-चुर्क तक का खंड १४ जुलाई १९५४ को खोला गया था। इसे आगे गढ़वा रोड तक बढ़ाया गया था, जहां चोपन से ठीक पहले सोन नदी पर एक पुल की आवश्यकता थी। अंततः यह लाइन १९ अक्टूबर १९६३ को खोली गई।वर्तमान में इस लाइन से उत्तर प्रदेश के सबसे पिछड़े एवं तीन राज्यों से जुड़े आदिवासी बहुल जिले सोनभद्र एवं मीरजापुर सेवित किया जाता है। इसके माध्यम से २०५४ गाँव, ६७८८ वर्ग किमी क्षेत्रफल एवं लगभग २५ लाख की जनसंख्या को लाभ मिलता है। यह रेल लाइन हावड़ा से दिल्ली को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग को राष्ट्र के ऊर्जांचल से जोड़ने का कार्य करती है। दीनदयाल उपाध्याय के रास्ते सिंगरौली से चुनार की दूरी २३० किमी है जबकि चोपन के माध्यम से सिंगरौली से चुनार की दूरी तक की दूरी मात्र १६७ किमी है, जो इन दोनों स्टेशनों के बीच सबसे छोटा मार्ग है। यह परियोजना सिंगरौली बेल्ट से कोयला रेक की आपूर्ति करती है। चुनार-चोपन खंड के दोहरीकरण से यात्रा के समय में कमी के साथ-साथ अतिरिक्त माल ढुलाई में भी वृद्धि आएगी और लॉजिस्टिक लागत भी कम होगी। चुनार-चोपन सेक्शन एक सिंगल लाइन सेक्शन है इस पर वर्तमान में प्रति दिन २० से २२ मालगाड़ी और १४ कोचिंग ट्रेनों का संचालन होता है। इस अनुभाग की लाइन क्षमता उपयोग २१४% है। चुनार-चोपन खंड पर यातायात काफी बढ़ गया है और डीएफसीसीआईएल के चालू होने के बाद यह तेजी से बढ़ रहा है। बढ़ते यातायात को पूरा करने और हाई डेंसिटी नेटवर्क मार्ग पर भीड़भाड़ कम करने के लिए चुनार-चोपन के दोहरीकरण की तत्काल आवश्यकता थी। इसी क्रम में चुनार में एक कंटेनर डिपो भी निर्मित करने के लिये हम प्रयासरत हैं। इसी क्रम में नॉर्दर्न कोलफील्ड लिमिटेड सिंगरौली द्वारा वर्ष २०२०-२१ में ३६.३४ एम टी कोयला का उत्पादन हुआ था। वर्ष २०२६-२७ में यह बढ़ कर ६५.७१ एम टी और २०२९-३० तक ७१.३७ एम टी होने की संभावना है। इस कोयले को उत्तर भारत के पावरप्लॉटों तक ले जाने के लिए इस दोहरीकृत मार्ग से कोयले की सप्लाई और राष्ट्र को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्म निर्भर बनाने में सहायता मिलेगी। इसके अतिरिक्त इस दोहरीकरण से इस पिछड़े क्षेत्र के विकास की नई गाथा लिखी जा सकेगी। इससे उत्तर प्रदेश के वाराणसी और प्रयागराज क्षेत्र को झारखंड एवं छत्तीसगढ़ की सुगम और सीधी कनेक्टीविटी पुख्ता होगी। जिससे इन क्षेत्रों के निवासियों की उत्तर प्रदेश के इन नगरों तक व्यापार, रोजगार और स्वास्थ्य सहित अन्य सामाजिक तथा व्यक्तिगत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आवागमन हेतु अधिक गाड़ियों का परिचालन हो सकेगा।

साथ ही इस क्षेत्र से औद्योगिक क्षेत्रों से कच्चे माल की आपूर्ति के लिए बाजार, और औद्योगिक उत्पादन इकाईयों के लिए नए बाजार की सुलभ उपलब्धता मिल सकेगी।

यही नहीं इस अवसर पर मुझे आप लोगों के साथ कुछ अन्य जानकारी भी साझा करते हुए अपार हर्ष हो रहा है । पहली परियोजना- ९६ किमी के गोरखपुर जं से वाल्मीकिनगर खंड के रुपए १२६९ करोड़ की लागत से दोहरीकरण करने की स्वीकृति है, जिससे ना केवल उत्तर प्रदेश से पूर्वोत्तर के राज्यों को जाने वाले माल यातायात में शीघ्रता आएगी, अपितु पूर्वोत्तर की यात्रा करने वाले यात्रियों के यात्रा समय में भी उल्लेखनीय कमी आएगी। साथ ही साथ ३७४ किमी लंबे सोननगर-अंडाल खंड की रुपये १३६०६ करोड़ की लागत से तीसरी एवं चौथी लाइन कार्य को भी स्वीकृति मिली है।

रेलवे अस्पताल में हुआ आरक्षण कार्यालय का शुभारंभ

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज केंद्रीय चिकित्सालय, उत्तर मध्य रेलवे में अध्यक्षा उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन रूबी रानी सिंह ने महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे सतीश कुमार की गरिमामयी उपस्थिति में यात्री आरक्षण कार्यालय का उद्घाटन किया। ज्ञात हो कि रेलवे अस्पताल से बड़ी संख्या में गंभीर मरीजों को दिल्ली अथवा अन्य जगह रेफर किया जाता है और ऐसी स्थिति में उनको अस्पताल में ही आरक्षण की सुविहा मिल सकेगी तथा रेल टिकट बुकिंग के लिए मरीजों को अब रेलवे स्टेशन नहीं जाना पड़ेगा। यह सुविधा बीमार मरीजों और उनके परिजनों के लिए एक वरदान की तरह है। इसी क्रम में अध्यक्षा महिला कल्याण संगठन रूबी रानी सिंह ने बच्चों के वजन मापने वाली मशीन का भी उद्घाटन किया।

इसमे नवजात शिशु, बच्चों तथा बड़ो का भी वजन मापा जा सकता हैस बच्चो का वजन का पता चलने पर उनका उपर्युक्त इलाज करने में मदद मिलती है समहाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे, सतीश कुमार ने केन्द्रीय चिकित्सालय की प्रयोगशाला में बेकमैन कूल्टर एसेस-२ के मिलुमिन्सेंट इम्यूनो एसे का उद्घाटन किया। इस मशीन में घंटे में १०० टेस्ट किये जा सकते है। महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे, सतीश कुमार ने अधिकारी केबिन का उद्घाटन किया तथा अध्यक्षा महिला कल्याण संगठन ने प्राइवेट केबिन का उद्घाटन किया। प्राइवेट केबिन में २ मरीजों को भर्ती कर उनका इलाज किया जा सकता है तथा अधिकारी केबिन में रेलवे के अधिकारियों को घर जैसे माहौल में इलाज किया जा सकता है। अध्यक्षा महिला कल्याण संगठन ने ग्राउंड फ्लोर पर चेस्ट वार्ड तथा महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे, सतीश कुमार ने प्राइवेट केबिन का उद्घाटन किया। प्राइवेट केबिन में एक मरीज को भर्ती किया जा सकता है तथा चेस्ट वार्ड में सांस की बीमारी से संबंधित मरीजों का इलाज किया जा सकता है। चेस्ट वार्ड पूरी तरह हवादार बनाया गया है।

> इनसान महान पैदा नहीं होता है, उसके विचार उसे महान बनाते हैं. विचार और काम की शुद्धता और सरलता ही महान लोगों को आम लोगों से अलग करती है. वे वही काम करते हैं, जो दूसरे करते हैं, लेकिन उनका मकसद समाज में बदलाव लाना होता है।
>
> -महात्मा गांधी

स्मार्ट यात्रियों को भा रहा है "UTS" ऑन मोबाइल एप"

साभारः झाँसी मंडल के मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशि कांत त्रिपाठी यात्री सुविधाओं तथा आय अर्जन में उत्तरोत्तर वृद्धि के क्रम में निरंतर अग्रसर है। इसी क्रम में आगे बढ़ते हुए "UTS ऑन मोबाइल एप" के निरंतर प्रचार-प्रसार के माध्यम से हमारे सम्मानित ग्राहकों को स्मार्ट यात्री बनाए के क्रम में भी झाँसी मंडल निरंतर अग्रणी है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में माह अप्रैल से जुलाई २३ तक की अवधि में झाँसी मंडल की ९० लोकेशन से ३ लाख ६४ हजार ६४६ अनारक्षित रेलयात्रियों द्वारा ४६४५३ टिकट के माध्यम से स्मार्ट रेलयात्री होने का उदाहरण देते हुए रु.५४ लाख ६२ हजार ७६५, लगभग ५५ लाख रूपए का रेल राजस्व प्रदान किया। जिसमें सर्वाधिक टिकट ग्वालियर से १५५३४, झाँसी शहर से ८९२४ तथा मुरैना से ५१९५ टिकट बुक हुए। अब अनारक्षित टिकट के लिए यात्रियों लम्बी कतार में लगने की आवश्यकता नहीं है, झाँसी मंडल के सभी स्टेशनों पर ऑनलाइन अनारक्षित रेल टिकट बुकिंग के लिए यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप (UTS On Mobile App) की सुविधा उपलब्ध है। रेल टिकट लेने का यह साधन रेल यात्रियों के बीच लोकप्रिय होने लगा है। रेल यात्री इस मोबाइल ऐप का उपयोग कर रहे हैं, जिससे ऐप से रेल टिकट बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है । उल्लेखनीय है कि झाँसी मंडल के स्टेशनों से यात्रा के लिए माह अप्रैल से जुलाई २३ तक की अवधि में यूटीएस मोबाइल ऐप के माध्यम से कुल बुक अनारक्षित टिकट से पिछले वर्ष की तुलना में ४६.२६ प्रतिशत अधिक आय का अर्जन किया गया है। यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप के माध्यम से टिकट बुक करने से यात्रियों को प्रोत्साहन एवं सेल्फ टिकटिंग को बढ़ावा मिल रहा है और साथ ही यात्रियों को काउंटर टिकट की लाइन में लगने से निजात मिल रही है।

सम्पादकीय

मंशा कांग्रेस की

विधानसभा चुनावों से पहले इसी साल होने वाले चार राज्यों के कांग्रेस नेता राहुल गांधी का दिलचस्प आकलन सामने आया है। उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान रविवार को बताया कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में उनकी पार्टी निश्चित रूप से जीतेगी, तेलंगाना में वह संभवतरू जीतेगी। राजस्थान में करीबी मुकाबला हैं। राहुल गांधी के इस बयान को लेकर कांग्रेस की सियासत में जमकर हड़कंप मचा हुआ। उधर, राजनीतिक गलियारों में इसके कई मायने निकाले जा रहे हैं।

राजस्थान में गहलोत सरकार विभिन्न विकास कार्यो और योजनाओं का ढिंढोरा पीट कर यही दावा कर रही है कि राजस्थान में अब तक जितने भी विकास कार्य हुए उनमें सबसे रेकॉर्ड तोड़ काम इस सरकार में हुए हैं। खासकर बीजेपी के पिछले कुछ चुनाव अभियानों पर नजर डालें तो वहां अक्सर सीटों की असंभव लगने वाली संख्या के साथ जीत के दावे किए जाते रहे। कुछ मामलों में ये दावे कामयाब रहे तो कुछ में परिणाम उलटे साबित हुए, लेकिन यह चलन नहीं टूटा। ऐसे में विरोधी राहुल गांधी के इस बयान को कांग्रेस नेतृत्व का अभी से हार स्वीकार लेने का सबूत बता सकते हैं। हो सकता है कुछ धड़ों में इसे कांग्रेस की राजस्थान इकाई में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को कमजोर करने की मंशा से प्रेरित भी बताया जाए। राजस्थान के बारे में उन्होंने कहा कि वहां मुकाबला कांटे का है और उन्हें लगता है कि पार्टी वहां भी जीत हासिल करने में सफल हो जाएगी। उनके इस बयान को दो तरह से समझा जा सकता है। एक तरह से देखा जाए तो उन्होंने चारों राज्यों में पार्टी की जीत की उम्मीद जताई है, लेकिन दूसरी तरह से देखें तो अपने इस बयान के जरिए।

PM Modi gave the gift of 18 trends on Vishwakarma Jayanti!

PIB: Vishwakarma scheme launched for the country's workers Delhi. (Vishvakarma jayanti) On the occasion of Vishwakarma Jayanti, Prime Minister Narendra Modi visited the exhibition on PM Vishwa karma before launching the PM Vishwakarma Scheme at Yashobhoomi, Dwarka, New Delhi. Held in Delhi, this 3-day exhibition weaves the story of advancement of traditional artisans and craftsmen of 18 trades (Vishwakarma) by combining heritage and modern technology. That is, in this exhibition one will see the depiction of the real life of the craftsmen and artisans of the country. Prime Minister urges citizens to visit the exhibition (Vishva karma jayanti) The Prime Minister interacted with the artisans and craftsmen participating in the exhibition and also urged the citizens to visit the exhibition. Because 54 artisans and craftsmen from different parts of India following the Guru-Shishya tradition are participating in this exhibition and the artisans from different professions of PM Vishwakarma displayed their craftsmanship by displaying their products.

Demonstration of centuries old traditions – PM Vishwakarma In the exhibition, a special antiquities museum of tools and crafts of trades related to PM Vishwakarma has been created, displaying the traditional tools made by Vishwakarma and covering his journey.

Objective of PM Vishwakarma Scheme Combining age-old traditions with modern tools is one of the main objectives of PM Vishwakarma, which is also reflected in the exhibition, as there is a unique artwork highlighting the tireless hard work of Vishwakarma and his role in building India . The exhibition has been organized. The exhibition is open to the public for three days from 17-19 September 2023 and entry to the exhibition is free. The venue is easily accessible by the newly inaugurated metro station "Yashobhoomi Dwarka Sector 25".

''मनुष्य को ठंडा रहना चाहिए, क्रोध नहीं करना चाहिए। लोहा भले ही गर्म हो जाए, हथौड़े को तो ठंडा ही रहना चाहिए अन्यथा वह स्वयं अपना हत्था जला डालेगा। कोई भी राज्य प्रजा पर कितना ही गर्म क्यों न हो जाये, अंत में तो उसे ठंडा होना ही पड़ेगा।''

-सरदार वल्लभभाई पटेल

भारतीय रेलवे के गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) वडोदरा और एयरबस के बीच एयरोस्पेस शिक्षा और अनुसंधान के लिए समझौता ज्ञापन

पसूका/नई दिल्लीः वडोदरा में भारतीय रेलवे की गति शक्ति यूनिवर्सिटी (जीएसवी) और एयरबस ने भारतीय विमानन क्षेत्र को और मजबूत करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस संदर्भ में दिनांकरू ०७.०९.२०२३ को नई दिल्ली के रेल भवन में रेमी मेलार्ड (अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एयरबस इंडिया और दक्षिण एशिया) और प्रोफेसर मनोज चौधरी (कुलपति, गति शक्ति विश्वविद्यालय) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया। इस एमओयू पर हस्ताक्षर रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव की उपरिथति में किया गया, जो गति शक्ति विश्वविद्यालय के पहले कुलपति भी हैं। इस अवसर पर रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुजया वर्मा सिन्हा और रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित हुए। हाल ही में एयरबस और टाटा ने गुजरात के वडोदरा में भारत में सी-२९५ विमान का डिजाइन, नवाचार, निर्माण और विकास के लिए एक साझेदारी की घोषणा की थी। एयरबस दुनिया में वाणिज्यिक विमानों का सबसे बड़ा निर्माता है और हेलीकॉप्टरों, रक्षा एवं अंतरिक्ष उपकरणों का एक प्रमुख निर्माता है। इस कंपनी का भारत के साथ पुराना संबंध है। कंपनी भारत को एक विश्व स्तरीय वाणिज्यिक विमानन केंद्र और प्रतिभा और संसाधनों के केंद्र के रूप में देखती है। कंपनी देश में पूरी तरह से एकीकृत विमान विनिर्माण व्यवसाय प्रणाली विकसित करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। मेक इन इंडिया सिद्धांत एयरबस की व्यावसायिक रणनीति के मूल में है और कंपनी धीरे-धीरे वैश्विक विनिर्माण में देश के योगदान को बढ़ा रही है। इस अवसर पर अश्विनी वैष्णव ने कहा, "जीएसवी प्रबल उद्योग-अकादमिक साझेदारी पर अपना ध्यान केंद्रित करेगा। इसके सभी कोर्स उद्योग के सहयोग से तैयार किए जाएंगे। जीएसवी में अध्ययन करने वाले छात्र उद्योग के लिए तैयार होंगे। परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों में रोजगार के लिए उनकी अत्यधिक मांग होगी। एयरबस के साथ समझौता ज्ञापन इस लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।" इस अवसर पर रेमी मेलार्ड, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एयरबस इंडिया और दक्षिण एशिया ने कहा, "एक कंपनी के रूप में जो कि भारत में एयरोस्पेस पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है, हम मानव पूंजी विकास में निवेश करने की अपनी जिम्मेदारी को समझते हैं। गति शक्ति विश्वविद्यालय के साथ हुई यह साझेदारी देश में कुशल कार्यबल की एक मजबूत तंत्र विकसित करेगी, जो भविष्य में अपने देश में तेजी से बढ़ते एयरोस्पेस क्षेत्र की सेवा के लिए तैयार होगी।" यह उद्योग-शैक्षणिक साझेदारी, नियमित छात्रों और कामकाजी पेशेवरों के लिए क्षेत्र-प्रासंगिक कौशल पाठ्यक्रमों एवं कार्यक्रमों, संकाय के लिए संयुक्त अनुसंधान एवं औद्योगिक अनुभव, छात्रों के लिए इंटर्नशिप एवं प्लेसमेंट और छात्रवृत्ति कार्यक्रमों के सह-विकास और सह-वितरण को सक्षम बनाएगा। यह उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरुप छात्रों के लिए नौकरी के अवसर उत्पन्न करेगा। यह उम्मीद की जाती है कि एयरबस भारतीय परिचालन में १५,००० छात्रों को नौकरियों के अवसर प्रदान करेगा। गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) वडोदरा की स्थापना २०२२ में संसद के एक अधिनियम द्वारा पूरे परिवहन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों के लिए सर्वश्रेष्ठ श्रेणी की जनशक्ति एवं प्रतिभा का निर्माण करने के लिए किया गया था। यह केंद्रीय विश्वविद्यालय रेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित है और रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री, अश्विनी वैष्णव इसके पहले कुलपति हैं। परिवहन और लजिस्टिक्स क्षेत्रों पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करते हुए, जीएसवी अपनी तरह का पहला विश्वविद्यालय है, जिसका उद्देश्य रेलवे, शिपिंग, बंदरगाहों, राजमार्गों, सड़कों, जलमार्गों और विमानन आदि में राष्ट्रीय विकास योजनाओं (पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान २०२१ और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति २०२२) के जनादेश को पूरा करना है।

स्टेशनों पर हिंदी के सहज, सरल एवं सही प्रयोग से राजभाषा के प्रति हमारा संकल्प प्रदर्शित होता है: महाप्रबंधक

साभार: उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में महाप्रबंधक सतीश कुमार की अध्यक्षता में राजभाषा पखवाड़ा समारोह का शुभारंभ कार्यक्रम एवं क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक सतीश कुमार ने कहा कि १४ सितंबर, हिंदी दिवस हम सबके लिए राष्ट्रीय पर्व के समान है। हिंदी विविधता में एकता की हमारी सामूहिक विरासत की वास्तविक प्रतीक है और इस रूप में पूरे राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोती है और विभिन्न भाषाभाषियों के बीच समन्वय और सद्भावना के फलस्वरूप पूरे देश की संपर्क भाषा के रूप में विकसित हुई है। इसीलिए इसमें अनेक बोलियों, उप भाषाओं और उनकी विधाओं एवं परंपराओं की समृद्ध झलक मिलती है और एक जनभाषा के रूप में हिंदी ने सामाजिक सुधार, सांस्कृतिक जागृति एवं राष्ट्रीय आंदोलन की वाणी होने की भूमिका का निर्वहन किया है। राष्ट्र एवं राष्ट्रीयता के विकास की अपनी इसी ऐतिहासिक परंपरा में आज हिंदी नए भारत के संकल्पों को मुखरित कर रही है और इसे विश्व पटल पर सुदृढ़ एवं सशक्त भारत की पहचान का सम्मान मिला है। सूचना टेक्नोल जी के बढ़ते हुए कदमों के परिणामस्वरूप भाषा के तौर पर इसकी क्षमता और संभावना निरंतर बढ़ रही है। सतीश कुमार ने कहा कि उत्तर मध्य रेलवे के कार्यक्षेत्र में आने वाले नगरों, कस्बों और अंचलों में हिंदी भाषा और उसका समृद्ध साहित्य फला-फूला है। यह पूरा परिक्षेत्र हिंदी के महान कवियों, साहित्यकारों और विद्वानों की जन्मस्थली या कर्मस्थली रहा है। इस दृष्टि से हमसे यह सदैव अपेक्षा की जाती है कि हम राजभाषा हिंदी के प्रसार में बढ़-चढ़कर अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि रेलवे के सरोकार आम जनता से जुड़े हुए हैं। आम जनता को विश्वस्तरीय सेवाएं और सुविधाएं प्रदान करने के लिए अपने कार्यों, योजनाओं और उपलब्धियों को आमजन तक राजभाषा में पहुँचाने से उनके प्रति हमारी प्रतिबद्धता परिलक्षित होती है। इस परिप्रेक्ष्य में हमारी रेलवे सरकार की राजभाषा नीति को पूरी निष्ठा के साथ लागू करने में सतत प्रयत्नशील है। सतीश कुमार ने कहा कि यात्री एवं ग्राहक सेवा हमारा सर्वोपरि दायित्व है। अतः स्टेशन परिसर एवं जनसंपर्क स्थलों पर यात्रियों और ग्राहकों की सुविधाओं से संबंधित सूचनाओं, साइनेज, इलेक्ट्रानिक बोर्ड, रसीदों आदि मदों में यथावश्यक हिंदी अथवा द्विभाषी का प्रयोग किया जाए तथा इन पर निगरानी रखी जाए। स्टेशनों पर हिंदी के सहज, सरल एवं सही प्रयोग से राजभाषा के प्रति हमारा संकल्प प्रदर्शित होता है और आम जनता में सर्वोत्तम सेवा प्रदान करने वाली अग्रणी रेलवे की हमारी छवि भी सुदृढ़ होती है। बैठक की कार्यवाही के पहले महाप्रबंधक सतीश कुमार ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर राजभाषा पखवाड़ा का शुभारंभ किया। बैठक के प्रारंभ में मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी मनीष कुमार गुप्ता ने बैठक में शामिल सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि उत्तर मध्य रेलवे में राजभाषा के उद्देश्यों एवं लक्ष्यों को पूरा करने के कार्यों को एक अभियान के रूप में लिया गया है तथा अधिकारियों और कर्मचारियों की रचनात्मक एवं सहभागी भूमिकाओं को अधिकाधिक महत्व दिया जा रहा है। राजभाषा की उत्तरोत्तर प्रगति सुनिश्चित करने के लिए विशेष कार्यों के बारे में समिति को अवगत कराते हुए गुप्ता ने उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में १४ सितंबर से २६ सितंबर तक आयोजित किए जाने वाले राजभाषा पखवाड़ा कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर महाप्रबंधक सतीश कुमार द्वारा रेल संगम पत्रिका के नए अंक बिजली इंजीनियरी विभाग विशेषांक का विमोचन किया गया। बैठक में अपर महाप्रबंधक चंद्र प्रकाश गुप्ता और प्रधान कार्यालय के सभी प्रधान विभागाध्यक्ष एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। मंडलों के अपर मंडल रेल प्रबंधक, कारखानों के मुख्य कारखाना प्रबंधकों एवं अन्य सदस्य अधिकारियों ने बैठक में ऑनलाइन सहभागिता की। सभी अधिकारियों ने अपने-अपने कार्यालयों में हो रही राजभाषा प्रगति से महाप्रबंधक को अवगत कराया।

प्रयागराज मण्डल ने वित्तीय वर्ष २०२३-२४ में माल लदान में रचा इतिहास

साभार: उत्कृष्ट लदान प्रबंधन के लिए भारतीय रेल के १० मंडलों को नकद पुरस्कार की स्वीकृति की गई है। इन दस मंडलों में उत्तर मध्य रेलवे का प्रयागराज मंडल भी शामिल है। ज्ञात हो कि, उत्तर मध्य रेलवे का प्रयागराज मंडल भारतीय रेल के सबसे व्यस्त मंडलों में से एक मंडल है, जिसको एक लाख रुपए के नकद पुरस्कार की घोषणा की गई है। यह मंडल भारतीय रेल के माल लदान और परिवहन में अति महत्वपूर्ण योगदान करता है। प्रयागराज मण्डल ने विगत चार माह में (अप्रैल-जुलाई) अब तक का सर्वोच्च लदान २.७४६ मिलियन टन प्राप्त किया, जो कि विगत वर्ष के इसी समयावधि के लदान (२.३०० मिलियन टन) की तुलना में १६.४ प्रतिशत अधिक है। यही नही, मण्डल ने इस समयावधि में रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित किये गये लक्ष्य २.५६० मिलियन टन से ६.० प्रतिशत अधिक लदान किया। प्रयागराज मंडल ने दीन दयाल उपाध्याय पॉइंट पर अबतक सर्वाधिक इंटरचेंज भी हासिल किया था।

मण्डल रेल प्रबंधक हिमांशु बडोनी के नेतृत्व में मंडल की बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट जिसके संयोजक वरि. मण्डल परिचालन प्रबंधक (सम.) प्रयागराज, श्रीकृष्ण शुक्ला एवं वरि. मण्डल वाणिज्य प्रबंधक प्रयागराज शशि भूषण के दिशा-निर्देश एवं बीडीयू टीम के अथक प्रयासों के फलस्वरूप मण्डल के आई सी डी डी दादरी से डबल स्टैक कंटेनर में पहली बार लदान तथा माण्डा रोड से पत्थर का लदान कई वर्षो के बाद दुबारा एवं यूटीसीएच हरदुआगंज से सीमेंट का लदान नियमित रूप से प्रारम्भ हो सका।

नई वस्तुओं के लदान के क्रम में बारा थर्मल पावर प्लांट से पॉन्ड ऐश का लदान, पनकी धाम से सूखे धान का लदान पहली बार मण्डल में प्रारम्भ हुआ तथा भारत पेट्रोलियम, पनकी धाम, कानपुर रेलवे साइडिंग को चौबीसों घंटे कार्य हेतु अधिसूचित किया गया और नई सीमेंट साइडिंग सोमना से आगत क्लिंकर रेकों का संचालन प्रारम्भ हुआ। साथ ही साथ सभी परिचालन एवं वाणिज्यिक विभाग के कर्मचारियों के अनवरत एवं कठिन परिश्रम के परिणामस्वरूप जहाँ एक ओर उपरोक्त उपलब्धियों को प्राप्त किया गया, वहीं मण्डल में सीमेंट लदान पिछले वर्ष के चार माह (अप्रैल-जुलाई) की तुलना में ५२.६ प्रतिशत, पेट्रोलियम में ६७.५ प्रतिशत, उर्वरक में १०.० प्रतिशत तथा पत्थर में ११२.० प्रतिशत का अधिक लदान किया गया।

> हिंदी वह धागा है जो विभिन्न मात भाषाओं रूपी फूलों को पिरोकर भारत माता के लिए सुंदर हार का सर्जन करेगा।
> डॉ जाकिर हुसैन

दो दिवसीय बैडमिंटन की अंतर मंडलीय प्रतियोगिता आयोजित

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज रेलवे सुरक्षा बल की दो दिवसीय बैडमिंटन की अंतर मंडलीय प्रतियोगिता-२०२३ का समापन समारोह ए एन सिन्हा, महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रेलवे सुरक्षा बल महोदय के मुख्य आतिथ्य में किया गया। ज्ञात हो कि, दिनांक ११.०६.२०२३ व १२.०६.२०२३ को दो दिवसीय बैडमिंटन अंतर मंडलीय प्रतियोगिता-२०२३ का आयोजन रेलगाँव सूबेदारगंज में किया गया है। उक्त प्रतियोगिता में प्रयागराज मंडल, झांसी मंडल, आगरा मंडल एवं मुख्यालय की टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता मे प्रयागराज विजेता एवं मुख्यालय उपविजेता रही। प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त सह महानिरीक्षक महोदय द्वारा प्रतियोगिता मे बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया सभी खिलाड़ियों को बधाई दी गई। उक्त प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में से रेलवे सुरक्षा बल उत्तर मध्य रेल की एक टीम तैयार की जाएगी जो अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल बैडमिंटन प्रतियोगिता में भाग लेगी। उक्त प्रतियोगिता के दौरान एम. सुरेश, मुख्य सुरक्षा आयुक्त उत्तर मध्य रेलवे, विजय प्रकाश पंडित, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त प्रयागराज मंडल, बी पी सिंह सहायक सुरक्षा आयुक्त क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र एवं उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय व मंडलों के निरीक्षक, उप निरीक्षक, सहायक उपनिरीक्षक व स्टॉफ उपस्थित रहे।

मा० राज्यमंत्री ''आयुष्मान भव'' पखवाड़ा के अन्तर्गत राजकीय औद्योगिक संस्थान नैनी में आयोजित ब्लड डोनेशन कार्यक्रम में हुए सम्मिलित

साभारः मा० राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग उ०प्र० कपिल देव अग्रवाल जी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन १७ सितम्बर, २०२३ से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती ०२ अक्टूबर, २०२३ के बीच चल रहे ''आयुष्मान भव'' पखवाड़े के क्रम में राजकीय औद्योगिक संस्थान नैनी में स्टाफ एवं विद्यार्थियों द्वारा आयोजित ब्लड डोनेशन कैंप में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर मा० मंत्री जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि तकनीक शिक्षा हमारे देश की रीड़ है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश व प्रदेश में रोजगार परक तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाते हुए देश व प्रदेश को तरक्की की राह पर ले जाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने ब्लड डोनेट करने वाले प्रशिक्षार्थियों का उत्सावर्धन करते हुए उन्हें इस पुनीत कार्य के लिए बधाई दी। कहा कि ब्लड डोनेट करना सबसे बड़ा दान है।

इस अवसर पर महापौर गणेश केसरवानी जी ने ब्लड डोनेट करने वाले प्रशिक्षार्थियों का उत्साहवर्धन किया व उन्हें इस बड़े कार्य के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा निर्धारित यूनीवर्सल हेल्थ कवरेज का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए जनसमुदाय में विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने और महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं से संतृप्त करने के उद्देश्य आयुष्मान भव अभियान चलाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने गरीबों की समस्याओं को समझते हुए आयुष्मान कार्ड से निःशुल्क इलाज की व्यवस्था की है, जिससे आज गरीब को इलाज के लिए इधर-उधर न भटकना नहीं पड़ रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री के द्वारा कोरोना काल में किए गए कार्यो को विस्तृत रूप से बताते हुए कहा कि आज भारत कोरोना से लड़कर दुबारा मजबूती से खड़ा है, इसके लिए मा० प्रधानमंत्री जी सोच बधाई की पात्र है।

इस अवसर पर संयुक्त निदेशक मुकेश कुमार यादव जी ने कहां कि इस समय डेंगू के दौर में ब्लड डोनेशन अति आवश्यक है। नोडल प्रधानाचार्य एस के श्रीवास्तव जी ने कहा तकनीकी शिक्षा के साथ ब्लड डोनेशन में सबको पर बढ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए।

इस अवसर पर वरिष्ठ पार्षद दीपू जयसवाल, नैनी प्रयागराज के उप प्रधानाचार्य मोहम्मद आरिफ कुरैशी, विश्व बैंक कटरा के प्रधानाचार्य सुरेश कुमार, मांडा प्रधानाचार्य धीरेंद्र प्रताप सिंह, कटरा प्रधानाचार्य हिमांशु द्विवेदी, सुरक्षा प्रभारी मोहम्मद मुस्तफीज सिद्दीकी और विनोद कुशवाहा, ब्लड डोनेशन में लगे हुए सभी स्वास्थ्य कर्मी, मीडिया कर्मी, सुरक्षा में लगे हुए सुरक्षाकर्मी, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नैनी प्रयागराज और कौशल विकास के सभी कर्मचारी और प्रशिक्षार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन रंजना शुक्ला ने किया।

हमारा लक्ष्य संरक्षा सुरक्षा एवं समय पालन

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण, आंशिक निरस्तीकरण/ओरिजिनेशन, रेग्यूलेशन एवं मार्ग परिवर्तन

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों को सूचित किया जाता है कि लखनऊ मंडल में वाराणसी यार्ड रिमॉडलिंग कार्य के कारण गाड़ियों का निरस्तीकरण, आंशिक निरस्तीकरण/ओरिजिनेशन, रेग्यूलेशन एवं मार्ग परिवर्तन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण

गाड़ी सं.	स्टेशन से - स्टेशन तक	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
20903	एकता नगर-वाराणसी	19, 26.09.23 एवं 03, 10.10.23
20904	वाराणसी-एकता नगर	21, 28.09.23 एवं 05, 12.10.23
22687	मैसूर-वाराणसी	19, 21,26,28.09.23 एवं 03,05,10,12.10.23
22688	वाराणसी-मैसूर	16,21,23,28,30.09.23 एवं 05,07,12,14,10.23
15231	बरौनी-गोंदिया	तत्काल प्रभाव से 15.10.2023 तक
15232	गोंदिया-बरौनी	तत्काल प्रभाव से 16.10.2023 तक
15635	ओखा-गुवाहाटी	15, 22, 29.09.23 एवं 06, 13.10.23
15636	गुवाहाटी-ओखा	18, 25.09.23 एवं 02, 09.10.23
15667	गांधीधाम-कामाख्या	23, 30.09.23, 07 एवं 14.10.23
15668	कामाख्या-गांधीधाम	20, 27.09.23 एवं 04 ,11.10.23
09065	सूरत-छपरा	18, 25.09.23 एवं 02, 09.10.23
09066	छपरा-सूरत	20, 27.09.23 एवं 04, 11.10.23
00901	सूरत-नारायणपुर अनंत	15, 22, 29.09.23 एवं 06,13.10.23
00902	नारायणपुर अनंत-सूरत	17, 24.09.23, एवं 01, 08, 15.10.23
19421	अहमदाबाद-पटना	24.09.23, एवं 01, 08.10.23
19422	पटना-अहमदाबाद	26.09.23, एवं 03, 10.10.23
19669	उदयपुर सिटी-पाटलीपुत्र	20, 27.09.23 एवं 04, 11.10.23
19670	पाटलीपुत्र-उदयपुर सिटी	22, 29.09.23 एवं 06, 13.10.23
17323	हुबली-बनारस	22, 29.09.23 एवं 06, 13.10.23
17324	बनारस-हुबली	24.09.23, एवं 01, 08, 15.10.23
01025	दादर-बलिया	20,22,25,27,29.09.23 एवं 02,04,06,09,11,13.10.23
01026	बलिया-दादर	22,24,27,29.09.23 एवं 01,04,06,08,11,13,15.10.23
01027	दादर-गोरखपुर	19, 21, 23, 25, 26, 28, 30.09.23 एवं 01,03,05,07,08,10,12, 14.10.23
01028	गोरखपुर-दादर	21, 23, 25, 26, 28, 30.09.23 एवं 02,03,05,07,09,10,12,14, 16.10.23
07651	जालना-छपरा	20, 27.09.23 एवं 04, 11.10.23
07652	छपरा-जालना	22, 29.09.23 एवं 06, 13.10.23
09061	मुंबई सेंट्रल-बरौनी	19,26.09.23 एवं 03, 10.10.23
09062	बरौनी-मुंबई सेंट्रल	22, 29.09.23 एवं 06, 13.10.23
09417	अहमदाबाद-पटना	18, 25.09.23 एवं 02, 09.10.23
09418	पटना-अहमदाबाद	19, 26.09.23 एवं 03, 10.10.23
09525	ओखा-नहरलागुन	19, 26.09.23 एवं 03, 10.10.23
09526	नहरलागुन-ओखा	23, 30.09.23 एवं 07, 14.10.23

रेलगाड़ियों का आंशिक निरस्तीकरण/ओरिजिनेशन

गाड़ी सं.	स्टेशन से - स्टेशन तक	शॉर्ट टर्मिनेशन/शॉर्ट ओरिजिनेशन, तक/से	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
20413	वाराणसी-इंदौर	शॉर्ट टर्मिनेशन/शॉर्ट ओरिजिनेशन सुल्तानपुर	19, 21, 26, 28.09.23 एवं 03,05,10,12.10.23
20414	इंदौर-वाराणसी	शॉर्ट टर्मिनेशन/शॉर्ट ओरिजिनेशन सुल्तानपुर	15, 20, 22, 27, 29.09.23 एवं 04,06,11,13.10.23
20415	वाराणसी-इंदौर	शॉर्ट टर्मिनेशन/शॉर्ट ओरिजिनेशन सुल्तानपुर मार्ग परिवर्तन वाया सुल्तानपुर-प्रतापगढ़-प्रयागराज	17, 24.09.23 एवं 01,08,15.10.23
20416	इंदौर-वाराणसी	शॉर्ट टर्मिनेशन/शॉर्ट ओरिजिनेशन सुल्तानपुर मार्ग परिवर्तन वाया सुल्तानपुर-प्रतापगढ़-प्रयागराज	18, 25.09.23 एवं 02, 09.10.23
14853 14863 14865	वाराणसी सिटी -जोधपुर	शॉर्ट टर्मिनेशन / शॉर्ट ओरिजिनेशन लखनऊ	तत्काल प्रभाव से 15.10.2023 तक
14854 14864 14866	जोधपुर-वाराणसी सिटी	शॉर्ट टर्मिनेशन / शॉर्ट ओरिजिनेशन लखनऊ	तत्काल प्रभाव से 14.10.2023 तक
22436	नई दिल्ली-वाराणसी	बनारस पर शॉर्ट टर्मिनेशन	तत्काल प्रभाव से 15.10.23
22435	वाराणसी-नई दिल्ली	बनारस से शॉर्ट ओरिजिनेशन	तत्काल प्रभाव से 15.10.23
09183	मुंबई सेंट्रल-बनारस	प्रतापगढ़ पर शॉर्ट टर्मिनेशन	04.10.2023
09184	बनारस-मुंबई सेंट्रल	प्रतापगढ़ से शॉर्ट ओरिजिनेशन	06.10.2023

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

गाड़ी संख्या	स्टेशन से -स्टेशन तक	निर्धारित मार्ग	परिवर्तित मार्ग वाया	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
19305	डॉ. अंबेडकर नगर-कामाख्या	कानपुर सेंट्रल-लखनऊ-सुल्तानपुर-वाराणसी-वाराणसी सिटी	अतरौली रोड-जौनपुर-जाफराबाद-सुल्तानपुर	21, 28.09.23 एवं 05, 12.10.23
19306	कामाख्या-डॉ. अंबेडकर नगर	कानपुर सेंट्रल-लखनऊ-सुल्तानपुर-वाराणसी-वाराणसी सिटी	अतरौली रोड-जौनपुर-जाफराबाद-सुल्तानपुर	17, 24.09.23 एवं 01, 08.10.23
19091	बांद्रा (ट.)-गोरखपुर	ब्लॉक हट के-वाराणसी - वाराणसी सिटी	ब्लॉक हट के-वाराणसी-जौनपुर औंरिहार	18.09.23
19092	गोरखपुर-बांद्रा (ट.)	वाराणसी सिटी-वाराणसी-ब्लॉक हट के	औंरिहार-जौनपुर-वाराणसी-ब्लॉक हट के	19.09.23
19489	अहमदाबाद-गोरखपुर	ब्लॉक हट के-वाराणसी - वाराणसी सिटी	ब्लॉक हट के-वाराणसी-जौनपुर-औंरिहार	15, 16, 17.09.23
19490	गोरखपुर-अहमदाबाद	वाराणसी सिटी-वाराणसी-ब्लॉक हट के	औंरिहार-जौनपुर-वाराणसी-ब्लॉक हट के	15, 16, 17, 18.09.23
19167	अहमदाबाद-वाराणसी	कानपुर सेंट्रल-लखनऊ-अयोध्या कैंट-वाराणसी-वाराणसी सिटी	शाहगंज-मऊ-वाराणसी सिटी	16,18,19,21,23, 25,26,28,30.09.23 एवं 02,03,05,07, 09,10,12,14.10.23
19168	वाराणसी-अहमदाबाद	कानपुर सेंट्रल-लखनऊ-अयोध्या कैंट-वाराणसी-वाराणसी सिटी	शाहगंज-मऊ-वाराणसी सिटी	15,17,19,21,22,24, 26,28,29.09.23 एवं 01,03,05,06,08, 10,12,13,15.10.23
12165	लोकमान्य तिलक (ट.)-गोरखपुर	प्रयागराज-जंघई-वाराणसी-वाराणसी सिटी	प्रयागराज-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी-वाराणसी सिटी	15,18, 21, 22,25, 28,29.09.23 एवं 02,05,06,09, 12,13.10.23
12166	गोरखपुर-लोकमान्य तिलक(ट.) विशेष	प्रयागराज-जंघई-वाराणसी-वाराणसी सिटी	प्रयागराज-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी-वाराणसी सिटी	15,16,19,22,23, 26,29, 30.09.23 एवं 03,06,07,10, 13, 14.10.23
12669	चेन्नई सेंट्रल-छपरा	प्रयागराज-जंघई-वाराणसी-वाराणसी सिटी	प्रयागराज-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी-वाराणसी सिटी	16,18,23,25, 30.09.23 एवं 02, 07,09,14.10.23
12670	छपरा-चेन्नई सेंट्रल	प्रयागराज-जंघई-वाराणसी-वाराणसी सिटी	प्रयागराज-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी-वाराणसी सिटी	18, 20, 25, 27.09.23 एवं 02, 04, 09, 11.10.23
12791	सिकंदराबाद-दानापुर	बनारस-वाराणसी-पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.	प्रयागराज छिवकी-मिर्ज़ापुर-पं.दीन दयाल उपाध्याय जं.	तत्काल प्रभाव से 14.10.2023 तक
12792	दानापुर-सिकंदराबाद	बनारस-वाराणसी-पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.	प्रयागराज छिवकी-मिर्ज़ापुर-पं.दीन दयाल उपाध्याय जं.	तत्काल प्रभाव से 15.10.2023 तक
11061	लोकमान्य तिलक(ट.)-जयनगर	बनारस-वाराणसी-वाराणसी सिटी	प्रयागराज-जंघई-वाराणसी-वाराणसी सिटी	19.09.2023
12791	सिकंदराबाद-दानापुर	बनारस-वाराणसी- काशी	प्रयागराज-जंघई-वाराणसी-वाराणसी सिटी	19.09.2023
15017	लोकमान्य तिलक(ट.)-गोरखपुर	प्रयागराज-जंघई-वाराणसी-वाराणसी सिटी	प्रयागराज-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी-वाराणसी सिटी	19.09.2023 से 14.10.2023 तक
15018	गोरखपुर-लोकमान्य तिलक (ट.)	प्रयागराज-जंघई-वाराणसी-वाराणसी सिटी	प्रयागराज-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी-वाराणसी सिटी	20.09.2023 से 15.10.2023 तक
15159	छपरा-दुर्ग	प्रयागराज-जंघई-वाराणसी-वाराणसी सिटी	प्रयागराज-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी-वाराणसी सिटी	20.09.2023 से 15.10.2023 तक
15160	दुर्ग-छपरा	प्रयागराज-जंघई-वाराणसी-वाराणसी सिटी	प्रयागराज-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी-वाराणसी सिटी	19.09.2023 से 14.10.2023 तक
11071	लोकमान्य तिलक (ट.)-बनारस	----	प्रयागराज रामबाग-ज्ञानपुर रोड-बनारस	02.10.2023 से 05.10.2023 तक
11072	बनारस-लोकमान्य तिलक (ट.)	----	प्रयागराज रामबाग-ज्ञानपुर रोड-बनारस	03.10.2023 से 06.10.2023 तक
11107	ग्वालियर-बनारस	----	प्रयागराज रामबाग-ज्ञानपुर रोड-बनारस	20.09.23 एवं 02.10.23 से 05.10.23 तक
11108	बनारस-ग्वालियर	----	प्रयागराज रामबाग-ज्ञानपुर रोड-बनारस	03.10.2023 से 06.10.2023 तक
12381	हावड़ा-नई दिल्ली	प्रयागराज-जंघई-वाराणसी-पं.दीन दयाल उपाध्याय जं.	पं.दीन दयाल उपाध्याय जं.-मिर्ज़ापुर-प्रयागराज	20, 21, 24, 27, 28.09.23 एवं 01, 04, 05, 08, 11, 12, 15.10.23
12382	नई दिल्ली-हावड़ा	प्रयागराज-जंघई-वाराणसी-पं.दीन दयाल उपाध्याय जं.	प्रयागराज-मिर्ज़ापुर-पं.दीन दयाल उपाध्याय जं.	22, 25, 26, 29.09.23 एवं 02, 03, 06, 09, 10, 13.10.23

उत्तर मध्य रेलवे 1461/23 (A)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @northcentralrailway | @CPRONCR

प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में लगभग ६,३५० करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाएं राष्ट्र को कीं समर्पित

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी १४ सितंबर, २०२३ को छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में रेलवे परियोजनाओं की आधारशिला रखने के अवसर पर संबोधित करते हुए।

पसूका/नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में लगभग ६,३५० करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित कीं। उन्होंने छत्तीसगढ़ के ६ जिलों में ५० बिस्तरों वाले क्रिटिकल केयर ब्लॉक की आधारशिला रखी और जांच की गई आबादी को १ लाख सिकल सेल परामर्श कार्ड वितरित किए।

इन रेल परियोजनाओं में छत्तीसगढ़ पूर्व रेल परियोजना चरण, चंपा से जमगा के बीच तीसरी रेल लाइन, पेंड्रा रोड से अनूपपुर के बीच तीसरी रेल लाइन और तलाईपल्ली कोयला खदान को एनटीपीसी लारा सुपर थर्मल पावर स्टेशन से जोड़ने वाली एमजीआर (मेरी-गो-राउंड) प्रणाली शामिल है। दिनांकः १४.०६.२०२३ को सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा की कि छत्तीसगढ़ में ६,४०० करोड़ रुपये से अधिक की रेलवे परियोजनाओं का अनावरण किया जा रहा है और इसी के साथ यह राज्य विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है।

उन्होंने बताया कि राज्य की ऊर्जा उत्पादन क्षमता का विस्तार करने और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए आज विभिन्न नई परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं। उन्होंने इस अवसर पर सिकल सेल काउंसलिंग कार्ड के वितरण का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि पूरी दुनिया आधुनिक विकास और सामाजिक कल्याण की तेज रफ्तार के भारतीय मॉडल को न केवल देख रही है बल्कि सराहना भी कर रही है। प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली में जी२० शिखर सम्मेलन के दौरान विश्व नेताओं की मेजबानी को याद करते हुए जिक्र किया कि वे भारत के विकास और सामाजिक कल्याण मॉडल से बेहद प्रभावित थे। उन्होंने कहा कि दुनिया की बड़ी बड़ी संस्थाएं भारत की सफलता से सीखने की बात कर रही हैं। प्रधानमंत्री ने इस उपलब्धि का श्रेय देश के हर राज्य और हर क्षेत्र के विकास के प्रति सरकार की बराबर प्राथमिकता को दिया। प्रधानमंत्री ने आज की परियोजनाओं के लिए नागरिकों को बधाई देते हुए कहा, छत्तीसगढ़ और रायगढ़ का यह क्षेत्र भी इसका साक्षी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश के विकास का एक पावर हाउस है और कोई भी देश तभी आगे बढ़ता है जब उसके पावर हाउस पूरी ताकत से काम करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते ६ वर्षों में केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ के बहुमुखी विकास के लिए लगातार काम किया है और उनके विजन तथा नीतियों का परिणाम आज यहां देखा जा सकता है। उन्होंने उल्लेख किया कि केंद्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ में हर क्षेत्र में बड़ी-बड़ी योजनाएं संचालित की जा रही हैं और नई-नई परियोजनाओं का शिलान्यास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने विशाखापत्तनम से रायपुर आर्थिक गलियारे और रायपुर से धनबाद आर्थिक गलियारे की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखने के लिए जुलाई में की गई अपनी रायपुर की यात्रा को याद किया। उन्होंने राज्य को प्रदान किए गए विभिन्न महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्गों का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने टिप्पणी की कि छत्तीसगढ़ के रेलवे नेटवर्क के विकास में एक नया अध्याय लिखा जा रहा है और यह सुधरा हुआ रेल नेटवर्क बिलासपुर-मुंबई रेल लाइन के झारसुगुड़ा बिलासपुर खंड में भीड़ को कम करेगा। उन्होंने कहा, इसी तरह जो अन्य रेल लाइनें शुरू हो रही हैं और जो रेल कॉरिडोर बन रहे हैं, वे छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास को नई ऊंचाई देंगे। उन्होंने कहा कि इन मार्गों के पूरा होने पर न केवल छत्तीसगढ़ के लोगों को सुविधा मिलेगी बल्कि इस इलाके में रोजगार और आय के नए अवसर भी निर्मित होंगे। प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कोयला खदानों से बिजली संयंत्रों तक कोयले के परिवहन की लागत और समय अब कम हो जाएंगे। प्रधानमंत्री ने बताया कि कम लागत पर ज्यादा से ज्यादा बिजली पैदा करने के लिए सरकार पिट हेड थर्मल पावर प्लांट भी बना रही है। उन्होंने तलाईपल्ली खदान को जोड़ने के लिए ६५ किलोमीटर लंबी मैरी-गो-राउंड परियोजना के उद्घाटन का भी जिक्र किया और कहा कि देश में ऐसी परियोजनाओं की संख्या बढ़ेगी और आने वाले समय में छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों को इसका सबसे ज्यादा फायदा होने वाला है। अमृत काल के अगले २५ वर्षों में भारत को एक विकसित राष्ट्र में परिवर्तित करने के अपने संकल्प पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने विकास के लिए प्रत्येक नागरिक की समान भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने पर्यावरण के संरक्षण के साथ-साथ देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने की बात की और सूरजपुर जिले में बंद पड़ी कोयला खदान का जिक्र किया, जिसे इको-टूरिज्म के हिस्से के रूप में विकसित किया गया है। उन्होंने कहा कि कोरवा में भी ऐसा ही इको पार्क विकसित करने का काम चल रहा है। इस क्षेत्र के जनजातीय वर्ग को मिलने वाले लाभों पर बात करते हुए, प्रधानमंत्री ने खदानों से निकलने वाले पानी से हजारों लोगों को दी जा रही सिंचाई और पेयजल सुविधाओं पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि वन संपदा के जरिए समृद्धि के नए रास्ते खोलने के साथ-साथ, वनों और भूमि की रक्षा करना भी सरकार का संकल्प है। वनधन विकास योजना का जिक्र करते हुए नरेन्द्र मोदी ने इस बात पर बल दिया कि इस योजना से लाखों आदिवासी युवा लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने दुनिया द्वारा बाजरा वर्ष मनाए जाने का भी जिक्र किया और आने वाले वर्षों में श्रीअन्न या बाजरा बाजार की बढ़ती संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एक ओर जहां देश की आदिवासी परंपरा को नई पहचान मिल रही है, वहीं दूसरी ओर प्रगति के नये रास्ते सृजित हो रहे हैं। जनजातीय आबादी पर सिकल सेल एनीमिया के प्रभाव के संबंध में प्रधानमंत्री ने कहा कि सिकल सेल परामर्श कार्डों का वितरण आदिवासी समाज के लिए एक बड़ा कदम है क्योंकि जानकारी का प्रसार करने से इस रोग को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। अपने संबोधन का समापन करते हुए प्रधानमंत्री ने सबका साथ, सबका विकास के संकल्प के साथ आगे बढ़ने की जरूरत पर बल दिया और विश्वास जताया कि छत्तीसगढ़ विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा। इस अवसर पर अन्य लोगों के साथ-साथ केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री श्रीमती रेणुका सिंह सरुता और छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव उपस्थित थे।

> राष्ट्रभाषा किसी व्यक्ति या प्रांत की संपत्ति नहीं है, इस पर सारे देश का अधिकार है।
>
> सरदार वल्लभ भाई पटेल

उत्तर रेलवे पर ६० रेलकर्मी राजभाषा पुरस्कार से सम्मानित

साभारः उत्तर रेलवे पर दिनांक ०३.६.२०२३ से १३.०६.२०२३ तक राजभाषा पखवाड़े का आयोजन किया गया । इस दौरान राजभाषा के प्रचार प्रसार को प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए । राजभाषा पखवाड़े के समापन कार्यक्रम के अवसर पर आज क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक महाप्रबंधक उत्तर रेलवे, शोभन चौधुरी की अध्यक्षता में कॉन्फ्रेंस हॉल, बड़ौदा हाउस, नई दिल्ली में आयोजित की गई। इस बैठक में उत्तर रेलवे के अपर महाप्रबंधक सहित सभी प्रमुख मुख्य विभागाध्यक्षों, मंडलों के अपर मंडल रेल प्रबंधकों एवं मुख्य कारखाना प्रबंधकों ने सहभागिता की।

बैठक से पूर्व महाप्रबंधक ने एक पुस्तक प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया और इस प्रदर्शनी की सराहना की। राजभाषा पखवाड़े के समापन कार्यक्रम के अवसर पर महाप्रबंधक उत्तर रेलवे, शोभन चौधुरी ने महाप्रबंधक राजभाषा पुरस्कार, क्षेत्रीय हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन, हिंदी निबंध और हिंदी वाक् प्रतियोगिताओं तथा राजभाषा पखवाड़े के दौरान आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओँ के विजेताओँ सहित कुल ६० रेल कर्मियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

महाप्रबंधक ने सभी रेल अधिकारियों और कर्मचारियों को हिंदी के प्रयोग-प्रसार पर बल देते हुए ई-ऑफिस में हिंदी में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया ।

UP के CM योगी की बड़ी पहल चका चक होंगी प्रदेश की सभी सड़कें

साभार :उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिवाली से पहले प्रदेश की सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने का फरमान जारी किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बैठक के दौरान विभिन्न विभागों के वरीय अधिकारियों को दिवाली से पहले प्रदेश की सड़कों को चकाचक बनाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री का आदेश है कि दिवाली से पहले प्रदेश में सभी सड़के गड्ढा मुक्त हो जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को यह निर्देश दिया है ।

योगी ने यह भी आदेश दिया है कि सड़कों के ठेके देने में आपराधिक छवि के लोगों और माफिया को दूर रखा जाए। इस साल प्रदेश में मानसून की स्थिति पहले से कुछ अलग है, कई इलाकों में ज्यादा बारिश हुई है और आने वाले समय में भी कई जिलों में ज्यादा बारिश की संभावना है , इस देखते हुए सभी संबंधित विभागों को सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने की कवायद शुरू कर देनी चाहिए ताकि दिवाली से पहले सभी सड़कें बिल्कुल अच्छी हालत में हो। बैठक में मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में विभिन्न विभागों से संबंधित चार लाख किलोमीटर लंबी सड़के हैं जिन पर ध्यान देना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि है सभी विभागों की जिम्मेदारी है कि प्रदेश की सड़कों पर चलते हुए आम आदमी को कोई शिकायत ना रहे और उसका सफर आनंददायक रूप में गुजरे।

सी.एफ.एम. अंगोला रेलवे के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का बरेका दौरा

रे.स.ब्यू./सूत्रः मेसर्स राइट्स के अधिकारियों के साथ सी.एफ. एम. अंगोला रेलवे के दो सदस्यीय उच्चस्तरीय प्रतिनिधि मंडल ने बनारस रेल इंजन कारखाना में डीजल एवं विद्युत लोकोमोटिव निर्माण सुविधाओं को देखने के लिए आज दिनांक १५.०६.२०२३ को विभिन्न् शॉपों का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल में पी.सी.ए.धनिदेशक मंडल के अध्यक्ष श्री एंटोनियों कोल्हो फर्नाडो दा क्रूज एवं निदेशक, तकनीकी कार्यालय श्री नेल्सन अर्नेस्टो नगुम्बे एवं राइट्स के एसडीजीएम/एक्सपोटेक सुमेर सिंह प्रतिनिधिमंडल के साथ थे। बरेका प्रशासन भवन पहुँचने पर सर्वप्रथम मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/उत्पादन एवं विपणन सुनील कुमार ने प्रतिनिधिमंडल का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। तदोपरांत सी.एफ.एम. अंगोला रेलवे प्रतिनिधि मंडल ने महाप्रबंधक श्री बासुदेव पांडा के साथ महप्रबंधक कक्ष में बैठक की। इस दौरान रेल संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई । उल्लेखनीय है कि पूर्व में बरेका निर्मित ०३ डीजल रेल इंजन अंगोला को निर्यात किया गया है। उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने बरेका कार्यशाला की विभिन्न शॉपों जैसे न्यू ब्लॉक शॉप, लाईट मशीन शॉप, इंजन टेस्ट शॉप, लोको असेंबली शॉप आदि का दौरा किया। कारखाना भ्रमण के दौरान प्रतिनिधिमंडल को डीजल एवं विद्युत लोको निर्माण के विभिन्न चरणों से अवगत कराया गया एवं बरेका में उपलब्ध लोको की अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधाओं को भी दिखाया गया।

इस अवसर पर प्रशासन भवन के कीर्ति कक्ष में अंगोला के प्रतिनिधियों एवं राइट्स के अधिकारियों के साथ बरेका के उच्च अधिकारियों की उच्चस्तकरीय बैठक हुई, जिसमें प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर श्री पी.के.साहा, प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर एस.के. श्रीवास्तव एवं मुख्य अभिकल्प इंजीनियर आर.आर.प्रसाद द्वारा बरेका के निर्माण काल से लेकर अब तक के उत्पादन गतिविधिय, वर्तमान की विनिर्माण सुविधाएं, मानक सर्टिफिकेशन, निर्यात आदि के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गयी। बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया गया कि बरेका रेल के क्षेत्र में पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए तैयार है। बरेका के अधिकारियों एवं प्रतिनिधि मंडल ने रेल से संबंधित जानकारी को आपस में साझा भी किया साथ ही अंगोला के भौगोलिक स्थिति के अनुसार रेल इंजन निर्माण हेतु चर्चा की गयी। प्रतिनिधिमंडल बरेका में उपलब्ध डिजाइन क्षमताओं, निर्माण सुविधाओं, साफ-सफाई से काफी प्रभावित दिखे ।

मंडल रेल प्रबंधक, झाँसी द्वारा झाँसी-धौलपुर रेलखंड का निरीक्षण

साभार :मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा द्वारा धौलपुर-झाँसी रेलखंड का सघन निरीक्षण किया गया द्य श्री सिन्हा वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी स्टेशन से प्रस्थान कर हेतमपुर के पास किलोमीटर संख्या १२८८ के निकट लैंड स्लाइडिंग साईट का सघन निरीक्षण किया तथा सम्बंधित अधिकारीयों को पूर्ण दक्षता से उक्त क्षेत्र को सुरक्षित रखने हेतु निर्देश दिए। कुमार जी नए चम्बल ब्रिज का सघन निरीक्षण किया तथा संरक्षा मानको की परख की तत्पश्चात मुरैना स्टेशन, माल गोदाम तथा सर्कुलेटिंग क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होने मुरैना स्टेशन के "अमृत भारत स्टेशन योजना" के तहत पुनर्विकास का ले आउट प्लान डिजाईन आदि देखा तथा सम्बंधित अधिकारीयों के साथ उसके क्रियान्वयन पर समीक्षा चर्चा की।

मुरैना से प्रस्थान कर मंडल रेल प्रबंधक द्वारा अन्तर्रष्ट्रीय स्तर के माल गोदाम के तर्ज पर विकसित होने जा रहे रायरू माल गोदाम का सघन निरीक्षण तथा कार्य प्रगति पर सम्बंधित अधिकारीयों से समीक्षा चर्चा की।

उन्होंने रायरू – बिरलानगर के मध्य स्थित समपार फाटक का भी सघन निरीक्षण किया तदुपरांत ग्वालियर स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्य का सघन निरीक्षण किया और कार्य प्रगति पर संतुष्टि जाहिर की, उन्होंने उपलब्ध यात्री सुविधाओं का जायजा लिया तथा आवश्यक बेहतरी हेतु सम्बंधित को दिशा निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक के साथ वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) आशुतोष चौरसिया, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशिकांत त्रिपाठी, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक अखिल शुक्ला, वरिष्ठ मंडल सिग्नल और दूरसंचार इंजिनियर अमित गोयल, वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनीयर नितिन गुप्ता, वरिष्ठ मंडल संरक्षा आयुक्त अतुल यादव, वरिष्ठ मंडल बिजली इंजिनीयर (कर्षण) मयंक शांडिल्य के साथ अन्य अधिकारी एवम् पर्यवेक्षक साथ रहे।

> इनसान महान पैदा नहीं होता है, उसके विचार उसे महान बनाते हैं. विचार और काम की शुद्धता और सरलता ही महान लोगों को आम लोगों से अलग करती है. वे वही काम करते हैं, जो दूसरे करते हैं, लेकिन उनका मकसद समाज में बदलाव लाना होता है।
>
> -महात्मा गांधी

डबरा स्टेशन पर संरक्षा सेमिनार का आयोजन

साभार : डबरा स्टेशन पर मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा के निर्देशानुसार एवं वरि. संरक्षा अधिकारी अतुल यादव के मार्ग दर्शन में संरक्षा सेमिनार का आयोजन किया गया द्य इस दौरान आयोजित संरक्षा संवाद में गाड़ी संचालन के दौरान, स्पैड पर विशेष प्रकाश डाला गया, साथ ही अन्य विषयों पर जैसे कि प्वाइंट एण्ड क्रासिंग, शंटिंग के दौरान ली जाने वाली सावधानी, इंजीनियरिंग ब्लॉक, पावर एवं ट्रैफिक ब्लॉक के समय बरती जाने वाली सावधानियाँ, ओएचई मेंटिनेन्स तथा कैटल रन ओवर होना, हॉट एक्सल इत्यादि के विषयो पर चर्चा की गई। इस आयोजन में पंकज मोहन, आर सी वर्मा, एम एल मीना एवं संरक्षा सलाहाकार एस के गुप्ता व ए के दत्ता सहित लगभग ६० पर्यवेक्षकों, एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

पाठकों से

आपको यह अंक कैसा लगा? इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते है। कृपया अपने सुझावों, आलोचनाओं से अवश्य ही अवगत करायें। आपके पत्रों का हमें इंतजार रहेगा।

प्रधान सम्पादक

ट्रेन परिचालन का नया अध्याय : ऑटोमेटिक सिग्नलिंग सिस्टम

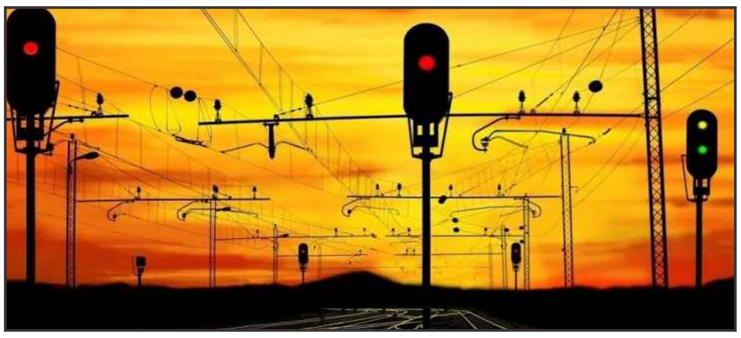

साभारः बदलते वक्त के साथ आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे अपने सिग्नल सिस्टम में भी बदलाव किया है। इसी क्रम में अब स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली यानी ऑटोमेटिक ब्लॉक सिग्नलिंग सिस्टम का इस्तेमाल किया जा रहा है। ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग सिस्टम में दो स्टेशनों के निश्चित दूरी पर सिग्नल लगाए जाते हैं। नई व्यवस्था में स्टेशन यार्ड के एडवांस स्टार्टर सिग्नल से आगे लगभग एक से डेढ़ किलोमीटर पर सिग्नल लगाए गए हैं। जिसके फल स्वरूप सिग्नल के सहारे ट्रेनें एक-दूसरे के पीछे चलती रहती है । अगर किसी कारण से आगे वाले सिग्नल में तकनीकी खामी आती है तो पीछे चल रही ट्रेनों को भी सूचना मिल जाएगी । जो ट्रेन जहां रहेंगी और वो जहां है वहीं रुक जाएंगी । कई बार इन सेक्शनों के एक ही दिशा में एक से अधिक ट्रेनों के रुकने से यात्रियों को भ्रम की स्थिति हो जाती है, खासकर जब मेमू ट्रेन जिसके आगे और पीछे दोनों तरफ इंजन लगी रहती है, या वैसी मालगाड़ी जिसके पीछे भी बैंकिंग इंजन लगी होती है । इन ट्रेनों के रुकने से ऐसा प्रतीत होता है कि इनके इंजन आमने सामने आ गए हैं । खासकर जब आगे वाली ट्रेन रुकती है तो पीछे वाली ट्रेन सिग्नल के इशारे का फॉलो कर एक निश्चित दूरी के अनुसार उसके पीछे रुक जाती है। दक्षिण पूर्व रेलवे के बिलासपुर स्टेशन तथा उसके तीनों ओर कि दिशा में दाधापारा, चकरभाटा, बिल्हा, उसलापुर, घुटकू, गतौरा, जयरामनगर तक ऑटोमैटिक सिग्नलिंग सिस्टम है, इस कारण इन सेक्शनों में एक के पीछे एक कई ट्रेनें एक साथ चलती रहती है। वहीं इनके किसी वजह से रुकने के कारण इनके वीडियो एवं फोटो से ऐसा प्रतीत होता है कि एक ही ट्रैक पर दोनों ट्रेनें आ गई है, जबकि यह ऑटोमैटिक सिग्नल प्रणाली का सामान्य परिचालन व्यवस्था है । ऑटोमेटिक ब्लॉक सिग्नल सिस्टम के लागू हो जाने से एक ही रूट पर एक किमी के अंतर पर एक के पीछे एक ट्रेनें चलती है । इससे रेल लाइनों पर ट्रेनों की रफ्तार के साथ ही संख्या भी बढ़ गई है । वहीं, कहीं भी खड़ी ट्रेन को निकलने के लिए आगे चल रही ट्रेन के अगले स्टेशन तक पहुंचने का भी इंतजार नहीं करना पड़ता है । स्टेशन यार्ड से ट्रेन के आगे बढ़ते ही ग्रीन सिग्नल मिल जाता है, यानी एक ब्ल क सेक्शन में एक के पीछे दूसरी ट्रेन आसानी से चलती है । इसके साथ ही ट्रेनों के लोकेशन की जानकारी मिलती रहती है । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में ऑटोमेटिक ब्लॉक सिग्नलिंग सिस्टमरूइस कड़ी मे नागपुर से भिलाई २७६ किलोमीटर, बिलासपुर–जयरामनगर के मध्य १४ कि.मी., बिलासपुर–बिल्हा के मध्य १६ कि.मी. एवं बिलासपुर – घुटकू के मध्य १६ कि.मी., चांपा से कोरबा ३७ किलोमीटर जैसे अनेक रेल खंडो में आटोमेटिक सिग्नल प्रणाली लागू की गई है । साथ ही कई महत्वपूर्ण रेलखंडों में इस प्रणाली को स्थापित करने का कार्य तेजी से चल रहा है । ऑटोमेटिक सिग्नल प्रणाली लागू हो जाने से बहुआयामी लाभ रहा है । इससे एक ओर गाड़ियों की रफ्तार तो बढ़ रही है, वही दूसरी ओर लागत की दृष्टि से भी यह काफी कम खर्चीला है । पहले क पर के केबल लगाये जाते थे जिसमे लागत ज्यादा आती थी। आजकल ऑप्टिकल फाईबर केबल लगाये जा रहे है जिसकी लागत भी कम होती है एवं इसके चोरी होने का भी भय नही रहता है। यह रिंग प्रोटेक्टेड केबल होते है जो जल्द खराब भी नहीं होते। इस प्रकार से दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे के सभी महत्वपूर्ण रेल खंडों मे इस प्रकार की ऑप्टिकल फाईबर केबल के साथ आटोमेटिक सिग्नल प्रणाली लागू करने की योजना है, जिससे कि कम लागत मे ज्यादा आउटपुट की प्राप्ति हो साथ ही साथ ही ट्रेनों की गति में भी वृद्धि हो। संरक्षित ट्रेन संचालन में सिग्नलिंग सिस्टम की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है । रेलवे में उपयोग में आनेवाले उपकरणों का उन्नयन और प्रतिस्थापन एक सतत प्रक्रिया है, जिसे आवश्यकताओं के अनुरूप संसाधनों की उपलब्धता एवं परिचालन आवश्यकताओं के आधार पर किया जाता है। समय समय पर ट्रेन संचालन में संरक्षा को और बेहतर बनाने तथा लाइन क्षमता में बढ़ोतरी के उद्देश्य से सिग्नलिंग सिस्टम का आधुनिकीकरण किया जाता है,इसी कड़ी में ट्रेनों की गति तेज करने और सुरक्षित सफर के लिए सिग्नल सिस्टम को मजबूत बनाने की दिशा में कार्य प्रारंभ कर दिया गया है ।

दुरंतो एक्सप्रेस एवं कुर्ला-शालीमार-कुर्ला एक्सप्रेस का स्टेशनों पर ठहराव की सुविधा

रे.स.ब्यू./सूत्रः बिलासपुर– यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से होकर चलाने वाली तीन ट्रनों का अस्थायी प्रायोगिक ठहराव की सुविधा प्रदान की जा रही है। १२२६१/१२२६२ मुंबई-हावड़ा- मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस का कल्याण रेलवे स्टेशन, १८०२६/१८०३० कुर्ला-शालीमार - कुर्ला एक्सप्रेस का कसारा रेलवे स्टेशन एवं १३२८८/१३२८७ राजेंद्रनगर-दुर्ग-राजेंद्रनगर साउथ बिहार एक्सप्रेस का गोइलकेरा रेलवे स्टेशन में ठहराव की सुविधा में विस्तार किया गया है । यह ठहराव दिनांक २३ अगस्त, २०२३ से दिया जा रहा है । अस्थायी प्रायोगिक ठहराव की सुविधा ०६ माह तक जारी रहेगी। मुंबई से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या १२२६१ मुंबई-हावड़ा दुरंतो एक्सप्रेस का कल्याण रेलवे स्टेशन में १७.५६ बजे पहुंचेगी तथा १८.०१ बजे रवाना होगी तथा हावड़ा से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या १२२६२ हावड़ा-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस का कल्याण रेलवे स्टेशन में ०७.०० बजे पहुंचेगी तथा ०७.०२ बजे रवाना होगी । कुर्ला से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या १८०२६ कुर्ला-शालीमार एक्सप्रेस का कसारा रेलवे स्टेशन में २३.५६ बजे पहुंचेगी तथा ००.०१ बजे रवाना होगी तथा शालीमार से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या १८०३० शालीमार-कुर्ला एक्सप्रेस का कसारा रेलवे स्टेशन में ०२.०३ बजे पहुंचेगी तथा ०२.०५ बजे रवाना होगी। १३२८८/ १३२८७ राजेंद्रनगर- दुर्ग- राजेंद्रनगर साउथ बिहार एक्सप्रेस का गोइलकेरा रेलवे स्टेशन में ठहराव की सुविधा में विस्तार किया गया है । यह ठहराव की सुविधा अगले आदेश तक जारी रहेगा ।

Ministry of Railways launches 'Swachhata Pakhwada-2023'

PIB: Swachhata Pakhwada – 2023 was inaugurated by Smt. Jaya Varma Sinha, Chairperson & CEO, Railway Board on 15th September, 2023 by administrating Swachhata Pledge in Rail Bhawan. Swachhata pledge was administered to entire Railway family which includes employees of Railways along with senior officials of Railway Zones and Divisions connected via video conferencing. Ministry of Railways is observing Swachhata Pakhwada from 16th September 2023 to 30th September 2023. Ministry of Railways has extended it suomoto up to 02nd October and has decided to culminate it with Mahatama Gandhi's Jayanti. This year, joint campaign of Ministry of Housing and Urban Affairs and Ministry of Jal Shakti namely 'Swachhata hi Sewa' (SHS) Campaign (from 15.09.23 to 02.10.23) is also being celebrated. Activities of SHS have been integrated with Indian Railways' Swachhata Pakhwada programme.

For Swachhata Pakhwada – 2023, dedicated days have been assigned for activities during pakhwada like Swachh Railgadi, Swachh Station, Swachh Aahar, Swachh Tracks etc. Extensive awareness campaign are also planned to be carried out through digital media/public announcement via PA systems to educate people about the use of bio-toilets, avoiding single use plastic and observing cleanliness habits.

In order to ensure greater participation & more effective outcome of the fortnight, Swachhata Pakhwada Awards have been provided to each ministry by Ministry of Jal Shakti (nodal Ministry) for awarding to field functionaries/ attached offices/ subordinate organizations for exemplary performance during pakhwada period. Previous year Swachhata Pakhwada – 2022 awards have been given to following zonal railways:

होमगार्डस स्व० समय लाल एवं स्व० शिव प्रसाद मौर्य के आश्रितों को ३०-३० लाख रूपये का प्रदान किया गया डेमो चेक

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज सांसद फूलपुर केशरी देवी पटेल, विधायक बारा डॉ० वाचस्पति एवं जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की उपस्थिति में संगम सभागार में जनपद प्रयागराज के होमगार्डस स्व० समय लाल एवं स्व० शिव प्रसाद मौर्य के आश्रितों को एच०डी०एफ०सी० बैंक द्वारा ३०-३० लाख रूपये का डेमो चेक होम गार्डस विभाग एवं एच०डी०एफ०सी० बैंक के मध्य हुए एम०ओ०यू० के अंतर्गत प्रदान किया गया। इस अवसर पर सांसद महोदया ने कहा कि होमगार्ड हर क्षेत्र में अपनी निरंतर सेवा एवं सरकार की व्यवस्थाओं में सराहनीय योगदान दे रहे है। सरकार इनके लिए ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं प्रदान करने की व्यवस्था कर रही है। उन्होंने कहा कि यह घटना दुखद अवश्य है, परंतु मृतक के परिवार के लिए सरकार के द्वारा की गयी इस व्यवस्था से इनका जीवन यापन सुगम होगा। विधायक बारा डॉ० वाचस्पति ने इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की तरफ से इनके परिवार के भरण-पोषण हेतु यह सहायता राशि दी जा रही है, जो इनके परिवार के जीवन यापन में सहायक होगी। इस अवसर पर डीआईजी होमगार्डस संतोष कुमार, डिवीजनल कमाण्डेण्ट होम गार्डस डी०टी०सी० शैलेन्द्र प्रताप सिंह, जिला कमाण्डेन्ट होमगार्डस अमित कुमार पाण्डेय, जोनल हेड एच०डी० एफ०सी० बैंक मनीष टण्डन, जिला कमाण्डेन्ट होमगार्डस कौशाम्बी विनोद द्विवेदी, क्लास्टर हेड एच०डी०एफ०सी० बैंक अखिलेश शुक्ला, बी०एम० एस०डी०एफ०सी० बैंक राहुल तिवारी, अखिलेश सिंह एवं सत्येन्द्र त्रिपाठी, निरीक्षक होमगार्डस सुनील कुमार यादव, ए०टू०डी०सी० होमगार्डस इन्द्रनारायण पाण्डेय सहित होमगार्डस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जीएम का निर्देश, रेलवे में फ्रेट बिजनेस बढाने पर जोर, यात्री सुविधाएं भी जरूरी

रे.स.ब्यू./सूत्रः उत्तर रेलवे (Northern Railway) के महाप्रबंधक शोभन चौधुरी ने उत्तर रेलवे के विभागाध्यक्षों और मंडल रेल प्रबंधकों के साथ उत्तर रेलवे की कार्य-प्रगति की समीक्षा की । चौधुरी ने स्टेशन अपग्रेडेशन कार्यो की प्रगति पर और अधिक ध्यान देने पर जोर दिया । महाप्रबंधक ने कहा कि रेलवे के लिए संरक्षा सर्वप्रथम है, इसके लिए ट्रैक, रोलिंग स्टॉक, सिग्नेलिंग एवं इलेक्ट्रिक ओवरहैड तारों का रख-रखाव उच्च स्तर पर किया जा रहा है । उन्होंने विभागों को कर्मचारियों के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण एवं पुनश्चर्य पाठ्यक्रम आयोजित करने की सलाह दी जिससे उन्हें प्रेरित किया जा सके और मानवीय त्रुटि को कम से कम किया जा सके।

उन्होंने सभी मंडलों को सिग्नेलिंग सिस्टम के उचित एवं प्रभावी रख-रखाव के लिए निर्देश दिये। उन्होंने रेल फ्रैक्चर्स पर अपनी चिंता व्यक्त की और निर्देश दिया कि सिग्नल, रेल फ्रैक्चर्स और रेल वेल्ड की निगरानी बड़े पैमाने पर की जाए तथा वहां कोई त्रुटि नहीं छोड़ी जाए।

चौधुरी ने कहा कि जहां जरूरी हो वन विभाग से पेड़ों को काटने के लिए तेजी से अनुमति ली जाए ताकि ये ट्रैकों या ओएचई वायरों में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न न कर सकें। उन्होंने ट्रैकों पर इलेक्ट्रिकल सुरक्षा के साथ ही रेलगाड़ियों के निर्बाध आवागमन के लिए रिले एवं पैनल रूम सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा। उन्होंने रेल परिचालन में मानव विफलताओं को कम करने पर जोर दिया।

आरेडिका में साफ-सफाई के साथ “स्वच्छता पखवाड़ा-२०२३ की शुरूआत

रे.स.ब्यू./सूत्रः आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली में दिनांक १६.०६.२०२३ से २.१०.२०२३ तक “स्वच्छता पखवाड़ा-२०२३” का आयोजन किया जा रहा है। स्वच्छता पखवाड़ा के अन्तर्गत दिनांक १६.०६.२०२३ को महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा के नेतृत्व में स्वच्छ भारत मिशन कार्यक्रम को अधिक प्रभावी बनाने के लिए फैक्ट्री परिसर में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ मिलकर स्वच्छता अभियान में भाग लिया और शपथ गृहण करवाया ।

स्वच्छता के प्रति ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरुक करने के लिए सोशल मीडिया के- फेसबुक, ट्वीटर, इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म का उपयोग कर स्वच्छता के प्रति लागों को जागरुक करने के लिए प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। आज के डिजीटल जमाने ये संसाधन जनता तक अपनी पहुँच रखतें और जन जागरण के कार्य को अतिशीघ्र संपादित करते हैं। स्वच्छता पखवाडा के अन्तर्गत सिविल विभाग द्वारा विभिन्न विभागों के सहयोग से आवासीय परिसर, कॉम्पलेक्स, केन्द्रीय विद्यालय, मिनी एडमिन सभी वर्कशॉपों में आने वाले १५ दिनों तक स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएगें।

जिनमें साफ-सफाई और जन जागरूकता से संबंधित कार्य-क्रम, नुक्कड़ नाटक इत्यादि आयोजित होगें। इस अवसर पर आरेडिका के वरिष्ठ विभागाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष तथा अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं सफाई कर्मचारियों ने अपने-अपने कार्य स्थल पर साफ-सफाई कर स्वच्छता अभियान में सहभागिता कर रहे हैं।

इनसान महान पैदा नहीं होता है, उसके विचार उसे महान बनाते हैं. विचार और काम की शुद्धता और सरलता ही महान लोगों को आम लोगों से अलग करती है. वे वही काम करते हैं, जो दूसरे करते हैं, लेकिन उनका मकसद समाज में बदलाव लाना होता है।

-महात्मा गांधी

सिर्फ ४५ सेकेंड में १०० किमी. की स्पीड से दौड़ेगी वंदे भारत मेट्रो

रे.स.ब्यू./सूत्रः नई दिल्ली। सेमी हाई स्पीड ट्रेन यानी वंदेभारत एक्सप्रेस यात्रियों को खूब पसंद आ रही है, इसकी सफलता को देखते हुए रेलवे अब वंदेभारत मेट्रो का निर्माण शुरु करने जा रहा है। इस ट्रेन के ट्रैक पर आने की डेडलाइन भी तय हो चुकी है। यहां पर सभी यह जानना चाहेंगे कि वंदेभारत एक्सप्रेस से वंदेभारत मेट्रो कितनी अलग होगी। क्या इसका केवल नाम बदला जा रहा है। या सुविधाओं में भी बदलाव किया जाएगा। इसमें क्या अतिरिक्त सुविधाएं होंगी।

वंदेभारत मेट्रो अगले वर्ष मार्च तक बनकर तैयार हो जाएगी और ट्रैक पर दौड़ने लगेगी। मौजूदा समय २३ वंदेभारत ट्रेनों का संचालन हो रहा है और पूर्वोत्तर के राज्यों को छोड़कर सभी राज्यों में चल रही है। ज्यादातर वंदेभारत लंबी दूरी पर चल रही हैं। रेलवे अब इन्हें ईएमयू या लोकल ट्रेनों की तरह भी चलाने की तैयारी कर रहा है। यानी करीब १०० किमी. की दूरी वाले शहरों के बीच इन्हें चलाया जाएगा। इसके लिए मौजूदा वंदेभारत एक्सप्रेस की डिजाइन में बदलाव करने की जरूरत पड़ेगी, जिस पर काम शुरू हो चुका है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार वंदेभारत मेट्रो में मेट्रो और वंदेभारत एक्सप्रेस दोनों का मिलाजुला रूप देखने को मिलेगा। इस ट्रेन की खासियत यह होगी कि १०० किमी. की स्पीड मौजूदा वंदेभारत से भी कम समय में पकड़ लेगी, यानी इनका पिकअप का समय और घटेगा। मौजूदा वंदेभारत एक्सप्रेस को जीरो से १०० किमी. की स्पीड पकड़ने में ५२ सेकेंड लगते हैं,लेकिन वंदेभारत मेट्रो को इस तरह डिजाइन किया जा रहा है कि जीरो से १०० की स्पीड ४५ से ४७ सेकेंड में पकड़ ले। लेकिन इसकी अधिकतम स्पीड मौजूदा वंदेभारत एक्सप्रेस से कम रखी जाएगी। अभी इसकी स्पीड १८० किमी. प्रति घंटे है लेकिन वंदेभारत मेट्रो की स्पीड १२० से १३० किमी. प्रति घंटे रखी जाएगी। क्योंकि वंदेभारत मेट्रो के स्टेशन पास-पास होंगे, इसलिए ज्यादा तेज स्पीड रखने की जरूरत नहीं होगी। वहीं मौजूदा मेट्रो शहर में या आसपास के शहरों को जोड़कर चलती है, इसलिए इसमें शौचालय नहीं होते हैं, लेकिन वंदेभारत मेट्रो मौजूदा मेट्रो की तुलना में लंबी दूरी पर चलेगी, इसलिए शौचालय भी होंगे, संभावना है कि दो कोचों के बीच में एक शौचालय दिया जाए।

शकूरबस्ती ट्रेन सेट डिपो: वंदेभारत सेवाओं का प्रमुख अनुरक्षण केंद्र

रे.स.ब्यू./सूत्रः उत्तर रेलवे का ट्रेन सेट डिपो, शकूरबस्ती भारत का पहला अनुरक्षण ट्रेनसेट डिपो है जो इस समय वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेन्स के ३ रैकों का रखरखाव करता है और जो वंदेभारत एक्सप्रेस के ३ मार्गो पर सेवाएं प्रदान कर रहा है। वंदेभारत एक्सप्रेस समय बद्धता के शानदार रिक र्ड के साथ रेलयात्रियों को सुविधा और आराम दोनों मामलों में बेजोड़ सेवाएं प्रदान कर रही है। पहले रैक, जिसने कुल १.३ मिलियन किलोमीटर की दूरी तय कर ली है, को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा १५-०२-२०१६ को नई दिल्ली - वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस के रूप में भारत के उदघाटन के लिए हरी झंडी दिखाई गई थी। इस सेवा के दूसरे रैक को गृह मंत्री द्वारा ५-१०-२०१६ को नई दिल्ली-श्रीमाता वैष्णो देवी कटड़ा- नई दिल्ली मार्ग पर हरी झंडी दिखाई गई। डिपो ने कुल मिलाकर ३ मिलियन किलोमीटर से अधिक के लिए ६६% से अधिक विश्वसनीयता के साथ वंदेभारत सेवाएं प्रदान की हैं। १६-१०-२०२२ को वंदे भारत के बेड़े में एक और सेवा नई दिल्ली-अंब अंदौरा-नई दिल्ली वंदेभारत एक्सप्रेस को प्रधानमंत्री द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

वंदेभारत एक्सप्रेस के नाम से मशहूर रैक श्रेणी की पहली सेवा वर्ष २०१६ से बेजोड़ सेवाएं प्रदान कर रही है। लेकिन १.२ मिलियन किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करने के बाद, रैक का विशेष अनुरक्षण किया गया। शॉप शैडयूल-२ (-२) या ड३६ शेड्यूल में न केवल सुरक्षा संबंधी पहलुओं पर ध्यान दिया जाता है, बल्कि यात्रियों को आरामदायक और आनंदप्रद यात्रा सेवा देना जारी रखने के लिए यात्री सुविधाओं को और बेहतर बनाना या सुधारना भी शामिल होता है। वंदेभारत के पहले -२ शेड्यूल को निर्धारित समय में पूरा करने पर डिपो को गर्व है। पहले रैक और दूसरे रैक को क्रमशः अप्रैल और जून के महीनों में उनके श प शैडयूल-२ के पूरा होने के बाद सेवा में पुनः लगाया गया था। शॉप शैडयूल-२ में ट्रैक्शन और प्रोपल्शन सिस्टम, ईपी ब्रेक सिस्टम, बोगियों की ओवरहॉलिंग, व्हीलसेट की रिडिस्किंग, हाई वोल्टेज सिस्टम की ओवरह लिंग, बाहरी प्लग दरवाजे, आंतरिक आईसी दरवाजों आदि की पूरी ओवरहालिंग शामिल थी। रैक को नई और बेहतर यात्री सुविधाओं के साथ नवीनीकृत किया गया था। ट्रेनसेट डिपो इस बात का जीवन्त उदाहरण है कि कैसे अच्छी तरह से प्रशिक्षित और समर्पित कर्मचारी एक जटिल परियोजना की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उनके समर्पित सेवा भाव ने वंदेभारत एक्सप्रेस को एक विश्वस्तरीय ट्रेन बनाने में मदद की है जो भारत में यात्री रेल यात्रा के नए मानक स्थापित कर रही है। वंदेभारत प्रौद्योगिकी में अग्रणी होने के नाते, डिपो ने वंदेभारत के रखरखाव में १३०० से अधिक कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया है। ट्रेनसेट डिपो ने लगातार फीडबैक देकर आरडीएसओ और आईसीएफ को वंदेभारत में सुधार, परीक्षण और प्रसार में सहायता की है। वंदेभारत के दूसरे संस्करण को विकसित करने में ट्रेनसेट डिपो के अनुभवों को आधार बनाया गया है। इसके अलावा, आईआर आईएमईई के सहयोग से ट्रेनसेट डिपो ने श्रेष्ठ उपायों के प्रचार-प्रसार के लिए वंदेभारत रखरखाव पर विशेष पाठ्यक्रम विकसित किया है। भावी समय को देखते हुए, ट्रेनसेट डिपो अपनी नई रखरखाव सुविधाओं के साथ ट्रेनसेट रखरखाव के नए मानक भी स्थापित कर रहा है। यह सुविधा नवीनतम तकनीक और उपकरणों जैसे इंस्पेक्शन बे लाइन, सिंक्रोनाइज्ड पिट जैक्स, रिट्रैक्टेबल ओएचई, पिट व्हील लेथ आदि से सुसज्जित होगी। डिपो नियमित जांच से लेकर प्रमुख ओवरहाल तक ट्रेन रखरखाव के सभी पहलुओं को संभालने में सक्षम होगा। नई रख-रखाव सुविधा भारतीय रेलवे के लिए एक महत्वपूर्ण परिसंपत्ति होगी, और यह सुनिश्चित करने में मदद करेगी कि वंदेभारत एक्सप्रेस भारत में सबसे विश्वसनीय ट्रेनों में से एक बनी रहे। इन नई बुनियादी सुविधाओं के साथ, ट्रेनसेट डिपो वंदेभारत के लिए एक आदर्श केंद्र बन जाएगा।

> कोई भी चीज़ इतनी अच्छी नहीं होती जितनी प्रतीत होती है।
> जार्ज इलियट

सारनाथ एक्सप्रेस तथा इंदौर-सिवनी-इंदौर एक्सप्रेस का प्रायोगिक ठहराव की सुविधा में विस्तार

रे.स.ब्यू./सूत्र:बिलासपुर–रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे के अंतर्गत आने वाले दो रेलवे स्टेशनों में दो गाड़ियो का ठहराव की सुविधा दिनांक ०१ सितम्बर, २०२३ तक प्रदान की गयी थी, जिसका विस्तार दिनांक ०५ मार्च, २०२४ तक किया गया है । गाड़ी संख्या १५१६०७१५१५६ दुर्ग-छपरा-दुर्ग सारनाथ एक्सप्रेस का ०२ मिनट का प्रायोगिक ठहराव जबलपुर मंडल के उंचेहरा स्टेशन में तथा गाड़ी संख्या १६३४३ ७१६३४४ इंदौर-सिवनी-इंदौर एक्सप्रेस का ०२ मिनट का प्रायोगिक ठहराव भोपाल मंडल के संत हिरदाराम नगर स्टेशन में दिया गया था । दिनांक २८ फरवरी, २०२४ तक दुर्ग से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या १५१६० दुर्ग-छपरा सरनाथ एक्सप्रेस का उंचेहरा रेलवे स्टेशन में ठहराव की सुविधा दी गयी है तथा दिनांक २८ फरवरी, २०२४ को छपरा से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या १५१५६ छपरा-दुर्ग सारनाथ एक्सप्रेस का उंचेहरा रेलवे स्टेशन में ठहराव की सुविधा दी गयी है ।

दिनांक ०५ मार्च, २०२४ को इंदौर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या १६३४३ इंदौर –सिवनी एक्सप्रेस का संत हिरदाराम नगर में ठहराव की सुविधा दी गयी है तथा दिनांक ०५ मार्च, २०२४ को सिवनी से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या १६३४४ इंदौर-सिवनी-इंदौर एक्सप्रेस का संत हिरदाराम नगर में ठहराव की सुविधा दी गयी है ।

सारनाथ एक्सप्रेस तथा इंदौर-सिवनी-इंदौर एक्सप्रेस का प्रायोगिक ठहराव की सुविधा में विस्तार

रे.स.ब्यू./सूत्रः बिलासपुर रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे के अंतर्गत आने वाले दो रेलवे स्टेशनों में दो गाड़ियो का ठहराव की सुविधा दिनांक ०१ सितम्बर, २०२३ तक प्रदान की गयी थी, जिसका विस्तार दिनांक ०५ मार्च, २०२४ तक किया गया है । गाड़ी संख्या १५१६०/१५१५६ दुर्ग-छपरा-दुर्ग सारनाथ एक्सप्रेस का ०२ मिनट का प्रायोगिक ठहराव जबलपुर मंडल के उंचेहरा स्टेशन में तथा गाड़ी संख्या १६३४३ ७१६३४४ इंदौर-सिवनी-इंदौर एक्सप्रेस का ०२ मिनट का प्रायोगिक ठहराव भोपाल मंडल के संत हिरदाराम नगर स्टेशन में दिया गया था । दिनांक २८ फरवरी, २०२४ तक दुर्ग से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या १५१६० दुर्ग-छपरा सरनाथ एक्सप्रेस का उंचेहरा रेलवे स्टेशन में ठहराव की सुविधा दी गयी है तथा दिनांक २८ फरवरी, २०२४ को छपरा से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या १५१५६ छपरा-दुर्ग सारनाथ एक्सप्रेस का उंचेहरा रेलवे स्टेशन में ठहराव की सुविधा दी गयी है । दिनांक ०५ मार्च, २०२४ को इंदौर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या १६३४३ इंदौर –सिवनी एक्सप्रेस का संत हिरदाराम नगर में ठहराव की सुविधा दी गयी है तथा दिनांक ०५ मार्च, २०२४ को सिवनी से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या १६३४४ इंदौर-सिवनी-इंदौर एक्सप्रेस का संत हिरदाराम नगर में ठहराव की सुविधा दी गयी है।

रेलवे सुरक्षा बल ने चलाया एलार्म चेन पुलिंग और अवैध वेंडिंग के विरुद्ध विशेष अभियान

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज। प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त/ रेलवे सुरक्षा बल, उत्तर मध्य रेलवे अमिय नन्दन सिन्हा के निर्देशन में माह अगस्त में अनावश्यक रूप से एलार्म चेन पुलिंग करने वालो के विरुद्व उत्तर मध्य रेलवे के क्षेत्रीय मुख्यालय व तीनों मण्डलों में ०४ विशेष टीमों का गठन करते हुये संवेदनशील गाड़ियों का अनुरक्षण कराया गया जिनके द्वारा बिना किसी उचित कारण के चेन पुलिंग करने वालों के विरुद्व रेलवे एक्ट की धारा १४१ के तहत कार्यवाही की गयी। इसके अंतर्गत माह अगस्त में प्रयागराज मंडल में ३१८, आगरा मंडल में १६५ और झाँसी मंडल में ११७ सहित कुल ६०० व्यक्तियों को चेन पुलिंग करते पकड़ा गया और उनसे कुल रु १,२६,५८६/- जुर्माने के रूप में वसूले गए ।

जया वर्मा सिन्हा ने संभाला रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी का कार्यभार

भारतीय रेलवे के इस शीर्ष पद पर नियुक्त होने वाली वह पहली महिला हैं

पसूका/नई दिल्ली: रेलवे बोर्ड (रेल मंत्रालय) के नए अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) का पदभार जया वर्मा सिन्हा ने संभाल लिया। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने जया वर्मा सिन्हा की नियुक्ति को स्वीकृति दी है। जया वर्मा सिन्हा रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और सीईओ के रूप में भारतीय रेलवे के इस शीर्ष पद पर नियुक्त होने वाली पहली महिला हैं।

इससे पहले जया वर्मा सिन्हा ने रेलवे बोर्ड में सदस्य (संचालन और व्यवसाय विकास) के तौर पर कार्य किया है।सिन्हा भारतीय रेलवे में माल ढुलाई और यात्री सेवाओं के समग्र परिवहन का दायित्व भी संभाल चुकी हैं। जया वर्मा सिन्हा १९८८ में भारतीय रेलवे यातायात सेवा (आईआरटी एस) में शामिल हुई। भारतीय रेलवे में अपने ३५ साल से अधिक के करियर में उन्होंने रेलवे बोर्ड के सदस्य (संचालन और व्यवसाय विकास) अपर सदस्य, यातायात परिवहन जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है।

उन्होंने परिचालन, वाणिज्यिक, आईटी और सतर्कता सहित विभिन्न क्षेत्रों में काम किया है। वह दक्षिण-पूर्व रेलवे की प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक के रूप में नियुक्त होने वाली पहली महिला भी रही हैं। उन्होंने बांग्लादेश के ढाका में भारतीय उच्चायोग में रेलवे सलाहकार के रूप में भी कार्य किया, उनके इस कार्यकाल के दौरान कोलकाता से ढाका तक प्रसिद्ध मैत्री एक्सप्रेस का उद्घाटन किया गया था। सिन्हा इलाहाबाद विश्वविद्यालय की पूर्व छात्र हैं और उन्हें फोटोग्राफी में गहरी रुचि है।

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
दि. इलाहाबाद ब्लाक वर्क्स प्रा. लि. 329/255, चक, जीरो रोड, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर,कीडगंज इलाहाबाद-211003 से प्रकाशित। आर.एन.आई नं.51097-90 पोस्ट ए.डी-8
मो. 9793956044,9935224867
फोन नं.-0532-2418040

एस. सी. जैन बने उत्तर मध्य रेलवे के प्रमुख मुख्य इंजीनियर

रे.स.ब्यू./सूत्रः उत्तर मध्य रेलवे के प्रमुख मुख्य इंजीनियर का पदभार भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के अधिकारी एस. सी. जैन ने दिनांकः ०१.०६.२०२३ को ग्रहण कर लिया। इससे पूर्व एस. सी. जैन, प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी पश्चिम रेलवे, मुम्बई के पद पर कार्यरत थे। एस.स.जैन भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा वर्ष १९८८ के अधिकारी हैं। एस. सी. जैन ने अपनी पहली रेल सेवा उत्तर रेलवे से शुरू की इसके बाद ये वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर/समन्वय/मुरादाबाद, डायरेक्टर ब्रिज एण्ड स्ट्रक्चर/आर.डी.एस.ओ.कार्यकारी निदेशक/कार्य रेलवे बोर्ड, मंडल रेल प्रबंधक- दिल्ली, मुख्य इंजीनियर ट्रैक मशीन पश्चिम मध्य रेलवे जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत रहे हैं।एस. सी. जैन विण्ड टनेल एवं स्टील आर्च ब्रिजेस के निरीक्षण से संबंधित विषयों पर डेनमार्क, इटली एवं स्विटजरलैण्ड में प्रतिनियुक्ति पर अध्ययनरत रहे हैं।

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सद्स्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।
सहयोग राशिः
१.उच्चतम अधिकारी- ५००० रु. मात्र
२.उच्च अधिकारी- ३५०० रु. मात्र
३.अधीनस्थ अधिकारी-२५०० रु. मात्र
४.रेलकर्मी/अन्य सदस्य-१०००रु.मात्र
प्रबंध संपादक
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव/
अनिल केन
रेल समाचार ब्यूरो कैंप कार्यालय-८४३६ आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-५५

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा